राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,08फरवरी–2023 वर्ष–6,अंक–16 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गौतम अडाणी और पीएम का क्या रिश्ता: राहुल गांधी

2014 में अमीरों की लिस्ट में 609 नंबर पर थे, जादू हुआ और 2 नंबर पर आ गए: राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। अडाणी मुद्दे पर राहुल गांधी ने मंगलवार को सरकार को जमकर घेरा। राहुल ने कहा- भारत जोड़ो यात्रा में सब जगह एक नाम सुनने को मिला... अडाणी। दुनिया के सबसे अमीर लोगों की लिस्ट में 2014 में वे 609 नंबर पर थे, सबसे पीछे। जादू हुआ तो दूसरे नंबर पर पहुंच गए। राहुल ने कहा- हिमाचल में सेब की बात होती है तो अडाणी, कश्मीर में सेब तो अडाणी, पोर्ट और एयरपोर्ट सब जगह अडाणी जी, सड़क पर चल रहे हैं तो अडाणी जी। राहुल ने कहा- लोगों ने पूछा कि अडाणी जी को सफलता कैसे मिली? सबसे जरूरी सवाल कि इनका हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री के साथ क्या रिश्ता है और कैसा रिश्ता है? राहुल ने आगे कहा- कुछ साल पहले सरकार ने एयरपोर्ट्स डेवलप करने को दिए। नियम था

- CBI और ED का इस्तेमाल करके हिंदुस्तान के उस एयरपोर्ट को अडाणी जी के हवाले कर दिया
- एयरपोर्ट बिजनेस में 30% मार्केट शेयर अडाणी का है

कोई भी जिसे एक्सपीरियंस ना हो, वो इसमें शामिल नहीं हो सकता। सरकार ने नियम बदला और अडाणी जी को 6 एयरपोर्ट दिए गए। दुनिया का सबसे ज्यादा प्रॉफिटेबल मुंबई एयरपोर्ट GVK ने हाईजैक कर लिया। CBI और ED का इस्तेमाल करके हिंदुस्तान के उस एयरपोर्ट को अडाणी जी के हवाले कर दिया। रिजल्ट आया कि आज अडाणी जी हिंदुस्तान के 24% एयरपोर्ट ले गए। हिंदुस्तान

की सरकार और प्रधानमंत्री ने ये सुविधा दी। आपने देखा कि एयरपोर्ट बिजनेस में 30% मार्केट शेयर अडाणी जी का है। हम फॉरेन पॉलिसी की बात करते हैं। डिफेंस से शुरू करते हैं। डिफेंस में अडाणी जी का जीरो एक्सपीरियंस था। प्रधानमंत्री इजराइल जाते हैं और फिर अडाणी जी को कॉन्ट्रैक्ट मिल जाता है। इनके पास डिफेंस की 4 कंपनियां हैं। अडाणी को जादू से मेंटेनेंस का कॉन्ट्रैक्ट, इजराइली ड्रोन और छोटे हथियारों का कॉन्ट्रैक्ट मिल जाता है। उसमें पेगासस भी है। हिंदुस्तान-इजराइल का डिफेंस बिजनेस 90% अडाणी जी ले गए। ऑस्ट्रेलिया चलते हैं। प्रधानमंत्री ऑस्ट्रेलिया जाते हैं और जादू से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया वन बिलियन डॉलर लोन अडाणी जी को दे देता है। उसके बाद बांग्लादेश में गए वहां पर इलेक्ट्रिसिटी बेचने का डिसीजन लिया जाता है। कुछ दिन बाद बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड 25 साल का कॉन्ट्रैक्ट अडाणी जी के साथ साइन करता है। श्रीलंका चलते हैं। जून 2022 में इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के चेयरमैन ने संसद में बताया कि राष्ट्रपति राजपक्षा ने उनसे कहा था कि मोदी जी ने उन पर दबाव डाला था कि अडाणी को विंड पावर प्रोजेक्ट दे दिया जाए।

योगी आदित्यनाथ ठग हैं: राहुल

राहुल जैसे विपक्षी नेता भाजपा का काम आसान कर रहे हैं: योगी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ठग कह दिया। राहुल ने सोमवार को दिल्ली में सामाजिक संगठनों से बातचीत के दौरान यह बात कही। कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में हो रही इस मीटिंग में स्वराज इंडिया के चीफ योगेंद्र यादव भी मौजूद थे। मीटिंग के दौरान राहुल गांधी से UP के हालात पर सवाल किया गया। इस पर राहुल ने जवाब दिया कि कोई भी धर्म उत्तर प्रदेश में हिंसा को बढ़ावा नहीं दे रहा है, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी भाषा के चलते धार्मिक नेता नहीं कहे जा सकते। सिर्फ भगवा पहन लेने से कोई धार्मिक नेता नहीं हो जाता। माफी चाहूंगा, लेकिन आदित्यनाथ कोई धार्मिक नेता नहीं, बल्कि सामान्य से ठग हैं। भाजपा उत्तर प्रदेश में अधर्म फैला रही है। हुल से सवाल हुआ कि UP में जो धर्म की आंधी चल रही है, उस पर क्या कहेंगे। उन्होंने जवाब दिया- उत्तर प्रदेश में धर्म की आंधी नहीं है। मैंने इस्लाम पढ़ा, ईसाई धर्म पढ़ा, बौद्ध धर्म पढ़ा, हिंदू धर्म जानता

- राहुल ने कहा- सिर्फ भगवा पहन लेने से कोई धार्मिक नेता नहीं हो जाता। माफी चाहूंगा, लेकिन आदित्यनाथ कोई धार्मिक नेता नहीं, बल्कि सामान्य से ठग हैं

हूं। जैसे ही कोई तपस्या करना बंद कर देता है, वह भ्रम की स्थिति में चला जाता है। कांग्रेस तपस्वियों की पार्टी है, भाजपा और संघ इसके उलट चलती हैं। भारत जोड़ो यात्रा पहला और छोटा कदम है। आगे हम ऐसी और भी कोशिशें करेंगे।

योगी आदित्यनाथ ने कुछ दिन पहले कई टीवी चैनल को इंटरव्यू दिया था। इसमें योगी आदित्यनाथ ने कहा था, विपक्ष में राहुल गांधी जैसे नेता भाजपा का काम आसान बना रहे हैं। वो वाकई भाजपा के लिए अनुकूल माहौल तैयार कर रहे हैं। कांग्रेस 1947 से देश को जाति-धर्म के नाम पर बांट रही है। जब योगी से पूछा गया कि क्या भारत जोड़ो यात्रा से राहुल के व्यक्तित्व को कोई फायदा होगा? उन्होंने कहा- अगर राहुल गांधी अपनी निगेटिविटी को कम कर दें तो कांग्रेस को फायदा होगा। नकारात्मकता ही उनकी सारी उपलब्धियों पर पानी फेर देती है।

भारत में हेट क्राइम की कोई जगह नहीं: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने बोला-हेट स्पीच को लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच और हेट क्राइम को लेकर एक अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि भारत जैसे एक धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर हेट क्राइम के लिए कोई जगह नहीं है। कोर्ट ने साथ में यह भी कहा कि देश में लगातार हेट स्पीच के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इसको लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। यह राज्य की जिम्मेदारी है कि ऐसे मामलों में आरोपियों के

खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। साल 2021 में नोएडा में 62 साल के काजीम अहमद शेरवानी हेट क्राइम का शिकार हो गए थे। इसी मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस केएम जोसेफ की अध्यक्षता वाली बेंच ने टिप्पणी की है। हेट स्पीच के बढ़ते मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जाहिर की और सुनवाई शाम 6 बजे तक चलती रही। कोर्ट ने कहा कि यदि राज्य अभद्र भाषा की समस्या को स्वीकार करता है तभी उसका एक समाधान निकाला जा सकता है। इसके अलावा कोर्ट ने पुलिस से सवाल किया कि क्या हेट क्राइम को पहचाना जाएगा या इसे दबाने की कोशिश की जाएगी?

विजय संकल्प रैली में उमड़ा जनसैलाब

उन्कोटी। त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार चरम पर है। बड़े बड़े नेता अपनी पार्टी के लिए प्रचार करने के लिए राज्य का दौरा कर रहे हैं। मंगलवार को राज्य के दौरे पर पहुंचे केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'विजय संकल्प रैली' में कहा कि त्रिपुरा के लोगों ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। उनका भारत के साथ अटूट रिश्ता है। कनेक्टिविटी त्रिपुरा के लोगों के लिए एक मुश्किल हिस्सा थी, भाजपा ने 2018 से उस समस्या को हल किया है। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैंने त्रिपुरा के बच्चों को लालटेन जलाकर पढ़ते देखा है लेकिन जब से BJP की सरकार आई है तब से त्रिपुरा के हर गांव में बिजली पहुंची है। कुछ लोग कहते है कि त्रिपुरा में BJP जीरो है लेकिन 2018 में लोगों ने BJP को जीरो से हीरो बना दिया। उन्होंने कहा कि पहले यहां बिजली नहीं आती थी लेकिन आज न सिर्फ यहां बिजली आ रही है बल्कि हम बांग्लादेश को भी बिजली दे रहे हैं।

कांग्रेस नेता बालासाहेब थोरात ने दिया इस्तीफा

पार्टी प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले से नाराज थे, बोले- साथ में काम करना मुश्किल

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और विधायक दल के नेता बालासाहेब थोरात ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, थोरात ने पार्टी प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के साथ काम करने से इनकार भी कर दिया था। सोमवार को थोरात ने पटोले से नाराजगी को लेकर पार्टी हाईकमान को लेटर लिखा था। माना जा रहा है कि वे अपने फैसले पर अडिग हैं और पार्टी में दोबारा आने की

संभावना नहीं हैं। दरअसल, पार्टी की यह लड़ाई तब सामने आई जब बालासाहेब थोरात के बहनोई और नासिक के तत्कालीन MLC सुधीर तांबे ने कांग्रेस के आधिकारिक उम्मीदवार होने के बावजूद चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था और अपने बेटे सत्यजीत तांबे को निर्दलीय चुनाव लड़वाया। थोरात ने पार्टी प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे लेटर में नाना पटोले के खिलाफ शिकायत की थी। लेटर में लिखा था कि अब पार्टी में नाना पटोले के साथ काम करना मुश्किल हो रहा है। साथ ही कहा कि कई फैसले लेने से पहले उनसे कोई सलाह भी नहीं ली जा रही है। मैं इससे दुखी और परेशान हूं।

संक्षिप्त समाचार

31 जिलों के DM के पास नागरिकता देने का अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि केंद्र सरकार ने नौ राज्यों के 31 जिलाधिकारियों को नागरिकता कानून के तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों को नागरिकता देने का अधिकार दिया है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 16 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार ने 31 जिलों के जिला कलेक्टरों को नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 5 के तहत पंजीकरण द्वारा और धारा 6 के तहत प्राकृतिककरण द्वारा नागरिकता प्रदान करने की अपनी शक्ति प्रत्यायोजित की है। नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य ऐसे विदेशियों के नागरिकता आवेदनों का तेजी से निपटान करना है, क्योंकि अब प्रत्येक मामले की जांच के बाद जिला स्तर पर ही निर्णय लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आवेदकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इन जिलों का चयन किया गया है। राय ने आगे बताया कि 31 जिलों के जिलाधिकारियों को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक समुदायों के नागरिकता आवेदन को जल्द निपटाने के लिए कहा है।

दिल्ली में मेयर चुनाव पर भाजपा-आप का प्रदर्शन

पार्टी दफ्तर के बाहर एक दूसरे के खिलाफ धरना दिया, तीन बार टल चुका है चुनाव

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में मेयर चुनाव को लेकर घमासान जारी है। मंगलवार को आम आदमी पार्टी और भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतरें और एक दूसरे के खिलाफ पार्टी दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया। दोनों पार्टियों ने एक दूसरे पर चुनाव में देरी का आरोप लगाया। सोमवार को सिविक सेंटर में हंगामे के चलते मेयर चुनाव तीसरी बार टल गया था। दरअसल, MCD की अध्यक्षता कर रहे सत्य शर्मा ने सोमवार को कहा कि उप-राज्यपाल ने जिन 10 मेंबर्स को नॉमिनेट किया है, वो वोट डाल सकेंगे। 10 नॉमिनेटेड मेंबर्स को वोट की मंजूरी मिलने के बाद भाजपा और AAP के मेंबर्स ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद MCD सदन की कार्यवाही स्थगित

कर दी गई। दिल्ली में कल मेयर चुनाव तीसरी बार टल गया। इससे पहले 6 और 24 जनवरी को भी चुनाव नहीं हो पाए थे। भाजपा ने LG वीके सक्सेना से सत्र फिर से बुलाने के लिए 10 फरवरी की तारीख की सिफारिश की थी, जबकि AAP पार्टी ने 3, 4 और 6 फरवरी का सुझाव दिया था। LG ने AAP का सुझाव मानते हुए सदन के सत्र के लिए 6 फरवरी तारीख तय की थी। जानकारी के मुताबिक, एक बार फिर AAP सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रही है। वहीं, सदन स्थगित होने के बाद AAP ने भाजपा पर निशाना साधा। पार्टी नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा की मंशा साफ नजर आ रही है कि पार्टी मेयर का चुनाव नहीं करवाना चाहती है।

अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाला मामला

आरोपी क्रिश्चियन की जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली। अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाला मामले के आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। मिशेल को 5 दिसंबर 2018 को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) से भारत प्रत्यर्पित किया गया था।

उनके वकील का दावा है कि याचिकाकर्ता जिस मामले में जेल में बंद है वह भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 8 और 9 के तहत है। इसमें अधिकतम सजा पांच साल जेल है, इसमें से वह करीब चार साल जेल में बिता चुके है।

विक्टोरिया गौरी को जज बनाने के खिलाफ याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट बोला- 2018 में दी थी, कॉलेजियम ने ये देखा होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। एडवोकेट लक्ष्मण चंद्रा विक्टोरिया गौरी को मद्रास हाईकोर्ट की जज बनाने के खिलाफ याचिका सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद खारिज कर दी। याचिका में गौरी के पॉलिटिकल बैकग्राउंड का हवाला देते हुए दलील दी गई थी कि जज की शपथ लेने वाले व्यक्ति की संविधान में पूरी आस्था होनी चाहिए। बेंच ने कहा कि पहले भी ऐसे मौके आए हैं जब पॉलिटिकल बैकग्राउंड वाले लोग सुप्रीम कोर्ट में भी जज बने हैं।

करीब 22 मिनट सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया। याचिका पर सुनवाई के दौरान ही विक्टोरिया गौरी ने मद्रास हाईकोर्ट जज के रूप में शपथ ली। HC के एक्टिंग CJ जस्टिस टी राजा ने उन्हें शपथ दिलाई।

गौरी के अपॉइंटमेंट के खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट 22 वकीलों के ग्रुप ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा था कि गौरी भाजपा नेता हैं। वकीलों ने कहा था कि विक्टोरिया गौरी ने इस्लाम को हरा आतंक और क्रिश्चियानिटी को सफेद आतंक जैसे बयान भी दिए थे। पहले CJI चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने 10 फरवरी को मामले पर सुनवाई करने की बात कही थी।

हल्द्वानी के 4 हजार घर और मंदिर-मस्जिद फिलहाल नहीं टूटेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 8 हफ्ते तक नहीं होगी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

जेंसी

देहरादून। सुप्रीम कोर्ट में हल्द्वानी में रेल प्रशासन के दावे वाली जमीन सेकब्जाधारियों को हटाने के उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका पर सुनवाई की। उत्तराखंड सरकार और रेलवे ने SC से मामले का समाधान खोजने के लिए समय मांगा, जिसके बाद कोर्ट ने कहा कि हल्द्वानी के अतिक्रमण 8 हफ्ते तक नहीं हटाए जाएंगे। मामले में अगली सुनवाई 2 मई को होगी। मामला जस्टिस एस के कौल, जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच में था। इसके पहले भी 5 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में उत्तराखंड हाईकोर्ट के अतिक्रमण फैसले पर रोक लगा दी थी।

पहले जानिए क्या था मामला

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में रेलवे की 29 एकड़ जमीन पर लोग रहते हैं। रेलवे ने समाचार पत्रों के जरिए नोटिस जारी कर अतिक्रमणकारियों को 1 हफ्ते के अंदर यानी 9 जनवरी तक कब्जा हटाने को कहा था। उत्तराखंड की नैनीताल हाईकोर्ट ने इस अवैध कब्जे को गिराने का आदेश दिया था। इसके बाद करीब 4 हजार से अधिक कच्चे-पक्के मकानों को तोड़ा जाना था, लेकिन कोर्ट के आदेश के खिलाफ दिसंबर में कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि 5 जनवरी को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के अतिक्रमण हटाने के आदेश पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि 7 दिन में 50 हजार लोगों को विस्थापन संभव नहीं है। हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के आसपास का यह इलाका करीब 2 किलोमीटर से भी ज्यादा के क्षेत्र को कवर करता है। इन इलाकों को गफ्फूर बस्ती, ढोलक बस्ती और इंदिरा नगर के नाम से जाना जाता है।

क्या है रेलवे और स्थानीय प्रशासन का दावा

रेलवे की जमीन पर इतने बड़े पैमाने पर निर्माण की अनुमति कैसे दी गई? इस पर रेल मंडल के अधिकारी विवेक गुप्ता ने कहा- रेलवे लाइनों के पास अतिक्रमण एक राष्ट्रव्यापी समस्या है। रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण का यह मामला 2013 में अदालत में पहुंचा था। तब याचिका मूल रूप से इलाके के पास एक नदी में अवैध रेत खनन के बारे में आई थी।

सुप्रीम कोर्ट से राणा अय्यूब को झटका

मनी लॉन्ड्रिंग केस में चुनौती देने वाली याचिका की खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से पत्रकार राणा अय्यूब को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने धन शोधन के एक मामले में गाजियाबाद की विशेष अदालत द्वारा समन को चुनौती देने वाली राणा अय्यूब की याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस वी रामासुब्रमण्यम और जे बी पारदीवाला की पीठ ने अय्यूब को निचली अदालत के समक्ष अधिकार क्षेत्र का मुद्दा उठाने की अनुमति दी और कहा कि यह सबूत का सवाल है। पीठ की ओर से फैसला सुनाने वाले न्यायमूर्ति वी रामा सुब्रमण्यन ने धन शोधन रोकथाम अधिनियम की धारा-3

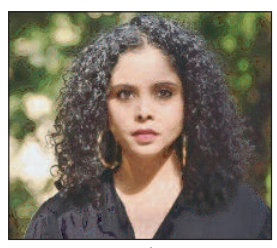

का हवाला दिया और कहा कि नवी मुंबई वह जगह है, जहां अपराध की आय पहुंचती है। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि क्या कोई एक या अधिक गतिविधियां (पीएमएलए की धारा 3 के तहत) हुई हैं और तथ्य और स्थान का सवाल सबूतों के आधार पर तय किया जाना है। इसलिए, हम ट्रायल कोर्ट के समक्ष इस मुद्दे को उठाने के लिए खुला छोड़ देते हैं। हम इस याचिका को खारिज कर रहे हैं। मामले की सुनवाई के दौरान राणा अय्यूब की ओर से पेश अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने कहा कि क्या उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को कानून द्वारा अधिकृत प्रक्रिया से वंचित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद की विशेष अदालत के पास अपराध की कोशिश करने का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है, जबकि ये कहा गया है कि कथित अपराध नवी मुंबई में किया गया था। ग्रोवर ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नवी मुंबई के एक बैंक में पत्रकार के निजी बैंक खाते को कुर्क कर लिया है, जिसमें करीब एक करोड़ रुपये थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भारतीय-अमेरिकी साझेदारी

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

दुबई के इस चार दिन के प्रवास में मेरा कुछ समय तो समारोहों में बीत गया लेकिन शेष समय कुछ खास-खास लोगों से मिलने में बीता। अनेक भारतीयों, अफगानों, पाकिस्तानियों, ईरानियों, नेपालियों, रूसियों और कई अरब शेखों से खुलकर संवाद हुआ। इस संवाद से पहली बात तो मुझे यह पता चली कि दुबई के हमारे प्रवासी भारतीयों में भारत की विदेश नीति का बहुत सम्मान है। हम लोग नरेंद्र मोदी और विदेश नीति की कई बार दिल्ली में कटु आलोचनाएं भी सुनते हैं लेकिन यहां तो उसका असीम सम्मान है। संयुक्त अरब अमारात के टीवी चैनलों और अखबारों का स्वर भी इस राय से काफी मिलता-जुलता है। पड़ौसी देशों के प्रमुख लोगों ने, इधर मैं जो दक्षिण और मध्य एशिया के 16 देशों का जन-दक्षेस नामक नया संगठन खड़ा कर रहा हूँ, उसमें भी पूर्ण सहयोग का इरादा प्रकट किया है। मुझे यह जानकर और भी अच्छा लगा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के कुछ प्रमुख लोगों ने भारत द्वारा काबुल को प्रेषित 50 हजार टन अनाज और दवाइयों की पहल की बहुत तारीफ की। उनका सुझाव यह भी था कि इस संकट के वक्त यदि भारत पाकिस्तान की मदद के लिए हाथ बढ़ा दे तो पाकिस्तान की जनता मोदी की मुरीद हो जाएगी। यदि शाहबाज़ शरीफ और फौज मोदी की दरियादिली को नकार दें तो उनकी काफी किरकिरी हो सकती है। इसी प्रकार कई प्रमुख अफगान नेताओं ने मुझसे सुदीर्घ वार्ताओं में कहा कि वे भारत सरकार द्वारा दी गई मदद से तो अभिभूत हैं ही, लेकिन वे ऐसा मानते हैं कि अफगानिस्तान की अस्थिरता को यदि कोई मुल्क खत्म कर सकता है तो सिर्फ भारत ही कर सकता है। अमेरिका और रूस ने अफगानिस्तान में फौजें भेजकर देख लिया, करोड़ों रूबल और डॉलर उन्होंने वहां बहा दिए और बड़े बेआबरू होकर वे वहां से निकले। उनका मानना है कि अकेला भारत अगर पहल करे और अमेरिका के जो बाइडन या कमला हैरिस और ब्रिटेन के ऋषि सुनाक को अपने साथ जोड़ ले तो अफगानिस्तान में शांति और व्यवस्था कायम हो सकती है। इन तीनों राष्ट्रों की संयुक्त पहल को मानने से न तो तालिबान इन्कार कर सकते हैं, न ही पूर्व अफगान राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री और न ही पाकिस्तान! यूक्रेन के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने जैसा संतुलित रवैया अपनाया है, उसने विश्व राजनीति में भारत की छवि को चमका दिया है। इसी चमक का इस्तेमाल वह अपने पड़ौस के अंधेरे को दूर करने में क्यों न करे?

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में बजा भारत का डंका

सरकार भी चाहती है कि मध्यप्रदेश खेल गतिविधियों के लिए देश भर में पहचाना जाये। खेलो इंडिया जैसे आयोजन इसी बात के सूचक हैं। एक दौर वह था जब क्रिकेट, हाकी खेलों तक ही लोगों की दिलचस्पी सीमित थी लेकिन अब बॉक्सिंग, शूटिंग, घुड़सवारी और बालिकाओं के आत्मरक्षार्थ जूडो कराटे जैसे खेलो में सभी की रोचकता बढ़ रही है। इन खेलो में हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक मेडल भी जीते हैं। याद दिलाना जरूरी है कि एक समय था जब बालिकाओं का खेल में भाग लेना असामान्य सा लगता था लेकिन लगातार मिले प्रोत्साहन के कारण आज ऐसा कोई खेल नहीं है जिसमें बालिकायें हिस्सा न लेती हों।

(लेखक- निलय श्रीवास्तव)

शरीर को निरोग रखने के लिए योग और सूर्य नमस्कार किया जाता है। तन और मन खेल से प्रसन्न रहते हैं। निरोगी काया के लिए खेल से बड़ा कोई नुस्खा नहीं। आज के भौतिकवादी युग में खेल का हर .ष्टि से महत्व है। इससे एक और जहाँ प्रशंसा मिलती है वहीं युवाओं के भविष्य निर्धारण में भी मदद मिलती है। सरकार भी चाहती है कि मध्यप्रदेश खेल गतिविधियों के लिए देश भर में पहचाना जाये। खेलो इंडिया जैसे आयोजन इसी बात के सूचक हैं। एक दौर वह था जब क्रिकेट, हाकी खेलों तक ही लोगों की दिलचस्पी सीमित थी लेकिन अब बॉक्सिंग, शूटिंग, घुड़सवारी और बालिकाओं के आत्मरक्षार्थ जूडो कराटे जैसे खेलो में सभी की रोचकता बढ़ रही है। इन खेलो में हमारे प्रदेश के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक मेडल भी जीते हैं। याद दिलाना जरूरी है कि एक समय था जब बालिकाओं का खेल में भाग लेना असामान्य सा लगता था लेकिन लगातार मिले प्रोत्साहन के कारण आज ऐसा कोई खेल नहीं है जिसमें बालिकायें हिस्सा न लेती हों। बल्कि कई बार तो वे लड़कों से बेहतर प्रदर्शन भी करती हैं। मध्यप्रदेश में बेटियों की शिक्षा और खेल को प्रोत्साहन तथा आवश्यक सहयोग कर मध्यप्रदेश सरकार ने एक पुनीत और पावन कार्य किया है। प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान स्वयं खेल प्रेमी हैं। उनकी खेलो के प्रति रूचि और लगाव अक्सर उनके शब्दों में स्पष्ट व्यक्त होते हैं। वे चाहतें हैं कि प्रदेश के युवा विश्व स्तर पर खेलकर मध्यप्रदेश के लिए उपलब्धियां हासिल करें जिससे दुनिया में मध्यप्रदेश का नाम रोशन हो। वे प्रदेश के युवा खिलाड़ियों का आव्हा करते हैं, कि आप तो खेल की चिंता करें, आपके भविष्य की चिंता मध्यप्रदेश सरकार करेगी। प्रसंगवश बता दें कि खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन पर सरकार उन्हें आर्थिक मदद के साथ शासकीय नौकरी भी दे रही है। कई दिव्यांग युवा खिलाड़ियों को भी पुरस्.त कर शासकीय सेवाओं में पद दिया गया है। प्रदेश के खेलो के बजट में इजाफा कर खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये कई शहरों और तहसीलों में स्टेडियम बनाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के शब्दों में खेलो इंडिया के आयोजन से मध्यप्रदेश में खेलों की दिशा में नयी क्रांति आयेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस संकल्प के साथ मध्यप्रदेश को खेलो इंडिया यूथ गेम्स की जिम्मेदारी सौंपी है उसे मध्यप्रदेश पूरे उत्साह के साथ निभायेगा। हमारा प्रयास है कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी विश्व में बेहतर प्रदर्शन के लिए पहचाने जायें। देश के दिल मध्यप्रदेश में सम्पन्न हो रहे खेलो इंडिया आयोजन पर पूरे देश की नजर है। यह आयोजन नयी पीढ़ी के खिलाड़ियों की महत्वकांक्षा बढ़ायेगा, उनमें उत्साह का संचार करेगा इसमें कोई संदेह नहीं। स्मरण रहे कि हरियाणा के कुरु क्षेत्र में पिछली बार जब खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन हुआ था उसमें मध्यप्रदेश ने 12 स्वर्ण, 11 रजत और 15 कांस्य पदकों के साथ कुल 38 पदक हासिल कर आठवां स्थान प्राप्त किया था। हरियाणा से पहले खेलो इंडिया यूथ गेम्स दिल्ली, पुणे, गुवाहाटी और पंचकुला में सम्पन्न हो चुके हैं। मध्यप्रदेश के लोगों का सौभाग्य है कि इस बार यहाँ आठ शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, मण्डला, बालाघाट, महेश्वर सहित दिल्ली में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के अंतर्गत 27 खेल हो रहे हैं। खेल के इस महाकुंभ में आठ हजार से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या हमारे प्रदेश की बेटियों की भी है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में पहली बार तलवारबाजी, कायाकिंग, कैनोइंग, कैनो स्लैलम, रोइंग खेलों को शामिल किया गया है। मलखंभ खेल का प्रदर्शन भी पहली बार होगा। मलखंभ मध्यप्रदेश का पारम्परिक तथा राज्य खेल है। भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम के डी.एस.वाई. डब्ल्यू हाल में 3 से 5 फरवरी तक एथलेटिक्स के 26 खिलाड़ी मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए पदकों के लिए मुकाबला कर रहे हैं। इसी हाल में 7 से 11 फरवरी तक कुश्ती के मुकाबलों में 21 खिलाड़ी भाग लेंगें। 1 से 4 फरवरी तक बॉक्सिंग और शूटिंग अकादमी में 1 से 6 फरवरी तक होने वाले मुकाबलों में मध्यप्रदेश के 7 खिलाड़ी निशाना साधेंगें। 6 से 10 फरवरी तक वेटलिफिटंग के मुकाबले भी होंगें। भोपाल के तरुण पुष्कर में 7 से 11 फरवरी तक तैराकी के 38 इवेंट में 544 प्रतिभागी हिस्सा लेंगें। खेलो के क्षेत्र में राज्य और केन्द्र सरकार कई योजनाओं के माध्यम से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहीं हैं। मध्यप्रदेश ने हाकी, शूटिंग, सॉट टेनिस, कराटे, क्रिकेट, तैराकी, घुड़सवारी, टेबल टेनिस, सेलिंग, शतरंज जैसे अन्य खेलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी दिये हैं। सरकार खिलाड़ियों को एकलव्य पुरस्कार, विक्रम अवार्ड, विश्वमित्र अवार्ड, लाइफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड जैसे पुरस्कार से सम्मानित कर और शासकीय सेवाओं में पद देकर उनका हौसला बढ़ा रही है। ओलंपिक, पैरा ओलंपिक में भी मध्यप्रदेश के खिलाड़ी शामिल होकर स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनाने में योगदान दे रहे हैं। बेहतर कोच, आवश्यक संसाधनों और अच्छी सुविधाओं ने राज्य के खिलाड़ियों को ऐसा वातावरण दिया है जिससे वे खेलों में उत्.ष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश के लिए गौरव हासिल कर रहे हैं।

यहाँ बता दें कि मध्यप्रदेश देश में सबसे अधिक एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान वाला एकमात्र प्रदेश है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हॉकी इंडिया लीग जैसे आयोजनों के माध्यम से हॉकी की पुरानी साख लौटाने का प्रयास किया है। मध्यप्रदेश में लगभग 11 खेल अकादमियाँ संचालित हैं। इनमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रशिक्षण सुविधा, अधो संरचना और खेल संसाधन उपलब्ध हैं। खिलाड़ियों के लिये डाइटिशियन, न्यूट्रिशनिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, सायकोलॉजिस्ट और स्पोर्टस साइंस के उच्च स्तर के डाक्टर्स उपलब्ध हैं।

आज का राशीफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

खेलो इंडिया: जीत का परचम फहरातीं मध्यप्रदेश की बेटियां

लेखक-निलय श्रीवास्तव

देश का दिल मध्यप्रदेश कला, संस्कृति के साथ खेल के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। यहाँ खिलाड़ियों की क्षमता परखने के लिये खेल सम्बंधी आयोजन होते हैं वहीं सरकार भी खुले दिल से खेल बजट में लगातार इजाफा कर रही है। सूने पड़े स्टेडियम जहाँ कोई जाना पसंद नहीं करता था अब सभी संसाधनों के साथ खेल गतिविधियों का केन्द्र बने हुए हैं। खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन पर नगद राशि देने के अलावा सरकारी नौकरी भी दी जा रही है। यहाँ बता दें कि खिलाड़ियों में एक बड़ी संख्या बालिकाओं की है। एक समय था जब लड़कियों के खेलने पर परिवार तथा समाज प्रतिबंध लगाते थे, उन्हें अपनी प्रतीभा निखारने का अवसर नहीं मिलता था। गुजरते समय के साथ लोगों की सोच बदली और अवसर मिलने पर बालिकायें विभिन्न खेलो में बेहतर प्रदर्शन करने लगीं। क्रिकेट, हॉकी अथवा अन्य कोई खेल हों, बालिकायें लड़कों से कहीं कम नहीं। राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर बालिकाओं ने मध्यप्रदेश के लिए मेडल और अन्य पुरस्कार भी जीते हैं। इसका श्रेय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी जाता है जिनके अथक प्रयासों तथा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के कारण खेल प्रतिभायें उभरकर सामने आ रही हैं। शिवराज सिंह चौहान खेलो से बेहद लगाव रखते हैं। अपने निश्चित कार्यक्रमों में वे खेल को अत्याधिक महत्व देते हैं। इस तरह खेलो को प्रोत्साहन जितना मध्यप्रदेश में मिलता है उतना दूसरे अन्य राज्य में नहीं दिया जाता होगा। इसी श्रृंखला में मध्यप्रदेश के आठ शहरों में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन हो रहा है। आयोजन आरम्भ होने से ठीक पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अंडर 19 टी - 20 विश्वकप जीतकर इतिहास रचा है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भाग ले रहे खिलाड़ियों पर इस अभूतपूर्व विजय का व्यापक असर हो रहा है, विशेषकर बालिकायें अपार उत्साह और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ विभिन्न खेलो में प्रदर्शन कर रही हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मिल रहे विजयी परिणाम संकेत करते हैं कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के हौसले किस कदर बुलंद हैं। मध्यप्रदेश के आठ शहरों में 13 दिनों तक खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आयोजन में 27 खेलो के साथ 3 नये खेलो को जोड़ा गया है। कुल 1906 पदक के लिये खुली और स्वस्थ खेल स्पर्धा हो रही है। यह आयोजन खेल प्रतिभाओं को एक नया मंच देने का निमित्त बनेगा क्योंकि इसके जरिये उन प्रतिभाओं को अवसर मिलना है जो बेहतर प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं तथा लम्बे समय से अवसर का इंतजार कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में एक समय जब लड़कियों का खेलना सामाजिक दृष्टि से गलत समझा जाता था उस दौर में भी महिला खिलाड़ियों ने विश्व स्तर पर खेलकर मध्यप्रदेश को प्रतिष्ठा दिलायी और बालिकाओं को खेल क्षेत्र में आगे बढ़कर अपनी योग्यता दिखाने के लिए प्रेरित किया। क्रिकेट, हॉकी, टेबल टेनिस में मध्यप्रदेश की महिला खिलाड़ियों का नाम इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो चुका है। संध्या अग्रवाल मध्यप्रदेश में रहकर अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा चुकी हैं। वे भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान रह चुकी हैं। राजेश्वरी ढोलकिया भी क्रिकेट की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी थीं। मधु यादव ने हॉकी तथा टेबल टेनिस में स्निग्धा मेहता और रीता जैन ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलकर मध्यप्रदेश के लिए ख्याति अर्जित की और बालिकाओं को खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी किया। आज जो बालिकायें खेल क्षेत्र में गोल्ड, रजत, और कांस्य पदक अर्जित कर रहीं हैं इसके पीछे पूर्व की उन्हीं महिला खिलाड़ियों की प्रेरणा रही। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में शूटिंग, तलवारबाजी, जूडो कराटे, घुड़सवारी जैसे खेलो में बड़ी संख्या में बालिकायें हिस्सा ले रहीं हैं। यह खेल उनकी आत्मरक्षा के लिए भी जरूरी माने जाते हैं। देश में मध्यप्रदेश एक मात्र ऐसा राज्य है जहाँ खेलो में बालिकाओं को प्रोत्साहन दिया जाता है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अथक प्रयासों से मध्यप्रदेश में बेटियों को आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। प्रसंगवश यहाँ बता दें कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए सरकार आर्थिक मदद के साथ शासकीय नौकरी भी दे रही है। इससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ रहा है। खेलो के क्षेत्र में राज्य और केन्द्र सरकार कई योजनाओं के माध्यम से खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दे रही हैं। सरकार द्वारा खिलाड़ियों को एकलव्य पुरस्कार, विक्रम अवार्ड, विश्वमित्र अवार्ड, लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड जैसे पुरस्कारों से सम्मानित कर और शासकीय सेवाओं में पद देकर उनका उत्साहवर्धन किया जा रहा है। अभी पिछले वर्ष टोक्यों ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुँचने पर भारतीय महिला हॉकी टीम की प्रत्येक सदस्य को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 31-31 लाख रुपये देकर सम्मानित किया था। यह परम्परा आगे भी कायम रहना चाहिये। क्योंकि खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के साथ आर्थिक मदद भी पहुँचाना जरूरी है। कई खिलाड़ी अभावों के चलते विपरीत हालातों में खेलते हैं। उधर ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को भी खेलो में बराबरी से हिस्सा लेने का मौका मिलना चाहिये। मध्यप्रदेश में खेल की अपार संभावनायें हैं। इस प्रदेश में राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगितायें तथा खेलो इंडिया यूथ गेम्स जैसे आयोजन समय - समय पर होते रहें तो दूसरे देशों के खिलाड़ियों का यहाँ आना - जाना बना रहेगा। इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार का यह दायित्व है कि वह अन्य क्षेत्रों के साथ - साथ खेलो के लिए भी धन की कमी नहीं आने दे। इस तरह यदि सही दिशा में उपयुक्त प्रयास किये जायें तो मध्यप्रदेश खेल के मामले में देश में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है।

विचार मंथन

खर्च-दीर्घकालीन सुधार का कल्पनाशील बजट

(लेखक-सनत जैन/ ईएमएस)

केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2023-24 का बजट प्रस्तुत किया है। इसे एक दिशाहीन बजट माना जा रहा है। बजट को दीर्घकालीन सुधारों और दीर्घकालीन ढांचागत विकास की बुनियाद पर खड़ा किया गया है। इसकी कोई समय सीमा बजट में तय नहीं की गई है। वर्ष 2023-24 के लिए बजट में राशि भी उपलब्ध नहीं कराई गई है, केवल दिशा दी गई है। कल्पनाओं के आधार पर बजट की आधारशिला रखी गई है। इन दिनों देश आर्थिक मंदी,महंगाई और बेरोजगारी की मार झेल रहा है। लोगों के पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं है। सरकार ने जो बजट प्रस्तुत किया है। उसमें खर्च बढ़ाने को प्राथमिकता दी गई है। सरकार ने बचत को बजट में कोई प्रोत्साहन नहीं दिया है। उल्टे आयकर की धारा 80 में मिलने वाली बचत की छूट को भी समाप्त कर दिया है। जिसके कारण बचत और कम होगी। इससे आगे चलकर आर्थिक संकट और भी बढ़ सकता है। 2008- 2009 के वर्ष में जब पूरे विश्व के देश आर्थिक मंदी के संकट में फंसे थे। उस समय भारत की बचत 30 से 32 फ़ीसदी हुआ करती थी। जिसके कारण भारत 2008 से लेकर 2010 के बीच वैश्विक आर्थिक मंदी का मुकाबला बेहतर तरीके से कर पाया था। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी इसके लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की तारीफ करते हुए, उन्हें अपना आर्थिक गुरु बता दिया था। जबकि अमेरिका और विकसित राष्ट्र आर्थिक मंदी की चपेट में बुरी तरह से प्रभावित थे। कोविड महामारी के बाद निम्न और मध्यम वर्ग के ऊपर बड़ा खर्चा बढ़ा है। मध्यमवर्ग तेजी के साथ गरीबी रेखा की ओर अग्रसर हो रहा है। आम आदमी अपनी ईएमआई तक जमा नहीं कर पा रहा है। खर्च करने के लिए वह दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुओं की कटौती करने विवश है। निजी और सरकारी क्षेत्रों में लगातार रोजगार घट रहे हैं। निजी क्षेत्रों में लगातार छटनी जारी है। सरकारी विभागों के लाखों पद खाली पड़े हुए हैं। सरकार उन्हें भर नहीं रही है। 80 करोड़ गरीबों को फ्री में अनाज बांटा जा रहा है। ताकि वह किसी तरह से 2 वक्त पेट भर सकें। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। मनरेगा का बजट घटा दिया गया है। मनरेगा के मजदूरों को 50 दिन का भी काम साल भर में नहीं मिल रहा है। जो मजदूरी कर चुके हैं, उनको उसका भुगतान नहीं किया गया है। आम आदमी की आय लगातार घट रही है। महंगाई लगातार बढ़ रही है। किसानों को बजट में तत्काल कोई राहत नहीं दी गई है। बजट में 45 लाख युवाओं को 3 साल प्रशिक्षण और भत्ता देने की बात जरूर की गई है। किंतु इसके बारे में कहा जा रहा है,कब बाबा मरेंगे और कब बैल बिकेंगे। आयकर की लिमिट जरूर बढ़ाई गई है। लेकिन आयकर की धारा 80 में मिलने वाली छूट को समाप्त कर दिया गया है। जिसके कारण बैंकों, डाकघरों और जीवन बीमा निगम में आम आदमी जो बचत करता था। छूट के स्थान पर अब ब्याज की आय पर टैक्स लगेगा। वित्तीय वर्ष 2023-24 के बाद वह भी संभव नहीं होगा। लोगों के खर्च बढ़ रहे हैं।बचत जो थी वह खर्च हो रही है। यदि किसी तरह खर्च में कमी करके बचत की। तो उस पर छूट नहीं मिलेगी, उल्टे टैक्स देना पड़ेगा। जिसके कारण यह माना जा रहा है कि सरकार खर्च को प्रोत्साहित कर रही है। बजट के निष्कर्ष निकालने पर यह माना जा रहा है, कि सरकार बाजार की चिंता कर रही है। यह कोई बुरी बात नहीं है। लेकिन इसके साथ-साथ आम आदमी की आय और उससे जुड़े हुए खर्च को देखकर ही बाजार को छूट दी जा सकती है। यहां उल्टा हो रहा है। बजट में खर्च और बाजार को प्रमुखता दी गई है। वहीं बचत और लाभ के मुद्दे पर सरकार बजट में चुप्पी साध कर बैठी हुई है। पहली बार सरकार ने इसे कई वर्षों बाद बजट का बेहतर असर देखने को मिलेगा, यह कहा जा रहा है। जो अपने आप में हास्यप्रद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।(एजेंसी)

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आयी है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही इंडेक्स नीचे आये। वहीं आज सुबह सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ खुला। इसके बाद सेंसेक्स उछलकर 60,655.14 तक पहुंच गया। दिन-भर के कारोबार के दौरान हुए उतार-चढ़ाव के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 221 अंकों की बढ़त के साथ ही 60,286 पर बंद हुआ है। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 43 अंक फिसलकर 17,722 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 21 शेयर लाल और 9 हरे निशान में बंद हुए हैं। सबसे ज्यादा लाभ वाले शेयरों में कोटक बैंक , इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस , एलएंडटी एसबीआइ , टीसीएस और एचडीएफसी बैंक शामिल हैं। वहीं सबसे ज्यादा नुकसान वाले शेयरों में टाटास्टील , आईटीसी, सन फार्मा, एचसीएल टेक , मारुति , टाटामोटर्स , एचयूएल और विप्रो शामिल रहे। निवेशकों ने आज दबाव के बाद भी अपना सकारात्मक रुख बनाये रखा और और लगातार खरीदारी पर बल दिया जिससे गिरावट पर अंकुश लगा रहा। आज कारोबार के दौरान वाहन , एफएमसीजी और धातु शेयरों में बिकवाली हावी रही है जबकि बैंक और वाहन शेयरों में खरीदारी दर्ज की गयी। अडानी समूह के शेयरों में मिश्रित कारोबार हुआ। समूह के कुछ शेयर बढ़े जबकि कुछ गिरे। कारोबार में निफ्टी पर वाहन और एफएमसीजी इंडेक्स में 1 फीसदी से ज्यादा गिरावट रही। धातु इंडेक्स और आईटी इंडेक्स भी नुकसान के साथ ही लाल निशान में बंद हुए जबकि बैंक, वित्तीय क्षेत्र और संपत्ति इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। कारोबार के दौरान हैवीवेट शेयरों में बिकवाली का माहौल रहा।

अदाणी समूह को दिया ऋण एसबीआई के लिए समस्या नहीं

नई दिल्ली । रिसर्च फर्म क्रेडिटसाइट्स ने मंगलवार को कहा कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मजबूत सामान्य प्रावधान भंडार बफर को देखते हुए ऐसा नहीं लगता है कि अदाणी समूह को दिए गए ऋण से एसबीआई किसी जोखिम में है। वित्तीय वर्ष 23 की तीसरी तिमाही के अंत तक अदानी समूह पर एसबीआई का कुल ऋण जोखिम उसकी ओर से दिए गए कुल ऋण का 0.88 फीसदी होने का खुलासा किया गया था। फर्म ने कहा कि वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के अंत तक देश के सबसे बड़े ऋणदाता एसबीआई का अदाणी समूह पर कुल ऋण जोखिम नियामों के अनुकूल है। सार्वजनिक क्षेत्र के तीन प्रमुख बैंकों ने पहले ही अदाणी समूह में अपने जोखिम का खुलासा कर दिया है। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक का अदाणी समूह पर 27,000 करोड़ रुपए का ऋण है, जबकि दूसरे सबसे बड़े पंजाब नेशनल बैंक का अदाणी समूह पर 7,000 करोड़ रुपये बकाया है।

सोने-चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को उछाल आया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में आज सोना 57,000 रुपए के ऊपर पहुंचा। सोना एक समय 154 रुपए या 0.27 फीसदी बढ़कर 57126 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं एक समया यह 56994 रुपए तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमतों में भी आज तेजी रही। एमसीएक्स पर चांदी में 200 रुपए की बढ़त रही। ये 0.30 फीसदी बढ़कर 67650 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। चांदी में कारोबार की शुरुआत 67399 रुपए पर हुई थी और ये 67479 रुपए तक फिसली। एक समय चांदी के दाम 67599 रुपए प्रति किलो के ऊपरी स्तर पर गए थे। कॉमैक्स पर आज सोना 1,886.60 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। सोने के दाम में करीब 7.25 डॉलर प्रति औंस का उछाल आया। वहीं चांदी के दाम में भी बढ़त दर्ज की गयी। कॉमैक्स पर चांदी करीब 0.45 फीसदी बढ़कर 22.328 डॉलर प्रति औंस पर थी।

अनुबंध विवादों को निपटाने की योजना लाएगी सरकार

नई दिल्ली । सरकार मध्यस्थता और मुकदमेबाजी में फंसी हजारों करोड़ रुपए की राशि को मुक्त कराने के लिए एक योजना पर परिचर्चा पत्र लेकर आएगी। वित्त सचिव टीवी सोमनाथन ने यह जानकारी दी। इस योजना में बताया जाएगा कि अनुबंध संबंधी विवादों के शीघ्र समाधान के लिए कितने प्रतिशत का भुगतान करने की जरूरत होगी। शुरुआत में वित्त मंत्रालय के तहत व्यय विभाग अन्य नियमों और शर्तों के अलावा अनुबंध संबंधी विवादों को निपटाने के लिए प्रस्तावित प्रतिशत की मात्रा पर हितधारकों से सुझाव मांगेगा। इस योजना के तहत सरकारी अनुबंधों से संबंधित वे विवाद आएंगे जो फिलहाल मध्यस्थता या मुकदमेबाजी में फंसे हैं। हालांकि यह योजना स्वैच्छिक होगी, लेकिन ठेकेदार अनुबंध मूल्य के एक निर्दिष्ट प्रतिशत को स्वीकार कर विवादों के समाधान के लिए आगे आ सकते हैं। सोमनाथन ने कहा कि प्रतिशत को अलग से अधिसूचित किया जाएगा और यह उचित होगा ताकि बहुत से लोग इसके लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि अगर वे इस प्रतिशत को स्वीकार करते हैं, तो विवाद का निपटान हो जाएगा और दोनों पक्षों द्वारा मामले को वापस ले लिया जाएगा।

सोना 57 हजार के पार, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में तेजी की वजह से घरेलू बाजार में भी सोने और चांदी के दाम में जोरदार बढ़त दिखाई दे रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार को सोने के भाव 57,000 रुपए के पार निकल गए हैं। सोने में इस समय 154 रुपए की उछाल के बाद 57126 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव देखे जा रहे हैं। सोने में 56994 रुपए तक के निचले स्तर देखे गए थे और ऊपरी स्तर में ये 57134 रुपए प्रति 10 ग्राम तक गया था। सोने के ये भाव इसके अप्रैल वायदा के लिए हैं। चांदी की चमक मंगलवार को फिर बढ़ी हुई नजर आ रही है। एमसीएक्स पर चांदी में 200 रुपए का उछाल देखा जा रहा है और ये 0.30 फीसदी बढ़कर 67650 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। चांदी में कारोबार की शुरुआत 67399 रुपए पर हुई थी और ये आज 67479 रुपए तक नीचे गई थी। चांदी के भाव 67599 रुपए प्रति किलो के ऊपरी स्तर पर गए थे। कॉमैक्स पर सोने के भाव देखें तो ये 1,886.60 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है। सोने के भाव में 7.25 डॉलर प्रति औंस का उछाल देखा जा रहा है। वहीं चांदी के भाव में भी बढ़त देखी जा रही है। कॉमैक्स पर चांदी करीब 0.45 फीसदी की मजबूती के साथ 22.328 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रही थी।

मुख्य मुद्रास्फीति गिरने से ब्याज दरों को और बढ़ाने की जरूरत घटी: एसएंडपी

नई दिल्ली । एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स का कहना है कि भारत में मुख्य मुद्रास्फीति में क्रमिक आधार पर लगातार गिरावट आ रही है, ऐसे में 6.25 प्रतिशत के ऊंचे स्तर तक पहुंच चुकी नीतिगत दर में और वृद्धि की जरूरत सीमित रह गई है। भारतीय रिजर्व बैंक रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में आई अड़चनों की वजह से पिछले साल मई से रेपो दर में 2.25 प्रतिशत की वृद्धि कर चुका है। रेपो दर इस समय 6.25 प्रतिशत है। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बुधवार को नीतिगत दरों पर अपने निर्णय की घोषणा करेगी। एसएंडपी की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में मुख्य मुद्रास्फीति लंबे समय उच्चस्तर पर रहने के बाद 2022 की दूसरी छमाही से नीचे आ रही है। वहीं नीतिगत दरें पहले ही 6.25 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर हैं। रिजर्व बैंक को खुदरा मुद्रास्फीति को छह प्रतिशत (दो प्रतिशत ऊपर या नीचे) के स्तर पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे बाहरी कारकों से खुदरा मुद्रास्फीति लगातार 11 माह तक रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर रही थी। नवंबर, 2022 में खुदरा मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से नीचे आई थी। दिसंबर में यह और घटकर 5.72 प्रतिशत के स्तर पर आ गई।

एयर इंडिया एसबीआई और बैंक ऑफ बड़ौदा से 18,000 करोड़ लोन लेगी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

टाटा ग्रुप ने और एक वर्ष के लिए सरकारी बैंकों से लोन लेने का फैसला किया है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) से एक साल के लिए मौजूदा लोन को पुनर्वित्त करने के लिए 18,000 करोड़ रुपए का लोन लेगी। भले ही यह लंबे समय के कर्जों को टैप करने की योजना बना रही हो। जनवरी 2022 में टाआ संस ने एसबीआई से 10,000 करोड़ रुपए का लोन लिया और बैंक ऑफ बढ़ोदा (बीओबी) से 5,000 करोड़ रुपए का लोन 4.25 फीसदी की ब्याज दर पर लिया था। भारतीय रिजर्व बैंक ने तब से अपनी बेंचमार्क दरों में 225 आधार अंकों की बढ़ोतरी की है। नतीजतन, नवीनतम ऋण लगभग 6.50 फीसदी आंका गया है। गौरतलब है कि एक आधार अंक 0.01 प्रतिशत अंक होता है। वहीं एसबीआई, बीओबी और एयर इंडिया के प्रवक्ताओं ने टिप्पणी मांगने वाले ईमेल का जवाब नहीं दिया। लेन-देन के बारे में जानने वाले एक दूसरे व्यक्ति ने कहा कि टाटा के अधिग्रहण के बाद से पुनर्गठन परिचालन अभी भी एयरलाइन के भीतर आकार ले रहा है और कंपनी मजबूत बैंकिंग साझेदारी को देखने से पहले सभी औपचारिकताओं को पूरा करना चाहती है, जो इसमें सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के बैंकों का मिश्रण शामिल होने की संभावना है। टाटा समूह अपनी विभिन्न विमानन इकाइयों के विलय पर काम कर रहा है, जिसमें एयरएशिया इंडिया और विस्तारा शामिल हैं। सिंगापुर एयरलाइंस के साथ टाटा का उपक्रम है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद सिंगापुर की वाहक की 25 प्रे तिशत हिस्सेदारी होगी। भविष्य में एयर इंडिया के लिए समूह की योजनाओं के लिए विलय की औपचारिकताओं को पूरा करना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि प्रकृति और धन की राशि तब तक स्पष्ट हो जाएगी। इसलिए बैंक 2023 में कुछ समय बाद इस टॉप-रेटेड कॉर्पोरेट लोन के लिए एक पाई का इंतजार करेंगे।

छंट गए संकट के बादल, हरे निशान पर लौटे अडानी समूह के शेयर

दो शेयरों में अपर सर्किट लग गया

मुंबई ।(एजेंसी)

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखी जा रही थी। रिपोर्ट की वजह से अडानी ग्रुप के शेयर 66 फीसदी तक गिरे हैं। अडानी मामले को लेकर भारत सहित पूरी दुनिया में चर्चा है। लेकिन सोमवार को अडानी ग्रुप के लिए एक के बाद एक राहत भरी खबरें आईं, जिससे मंगलवार को अडानी ग्रुप के लगभग सभी शेयरों की चाल बदल गई। इसमें दो शेयरों में अपर सर्किट लग गए। वहीं अडानी ग्रुप के शेयरों को हरे निशान में देखकर निवेशकों को थोड़ी राहत मिली है। बता दें, एनएसई ने अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी ट्रांसमिशन की सर्किट लिमिट को संशोधित कर 5 फीसद किया था। इसके अलावा अडानी ग्रुप ने गिरवी रखे शेयरों को समय पहले छुड़ाने का ऐलान किया। इसके लिए कंपनी 9185 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए तैयार है। साथ ही सोमवार को अडानी ट्रांसमिशन के तिमाही नतीजे पेश किए गए, जो बेहतरीन रहे। कंपनी के मुनाफे में जोरदार 73 फीसदी का इजाफा हुआ है। खबर के बाद सबसे पहले मंगलवार को अडानी ट्रांसमिशन के शेयर में 5 फीसदी का अपर सर्किट लग गया। उसके बाद अडानी विल्मर में भी मंगलवार सुबह 5 फीसदी का अपर सर्किट देखने को मिला। हालांकि ये शेयर 5 फीसदी लोअर सर्किट के साथ खुला था। लेकिन शुरुआती कारोबार में ही शेयर खरीदार टूट पड़े। साथ ही अडानी ग्रीन में गिरावट का सिलसिला थम गया है, शेयर हर निशान में कारोबार कर रहा है। अडानी पोर्ट और अंबुजा सीमेंट में तेजी देखी जा रही है। इसके अलावा अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर में भी 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी सुबह साढ़े 9 बजे देखी गई। अभी केवल अडानी पावर में 5 फीसदी का लोअर सर्किट लगा है। बाकी सभी शेयरों में भी तेजी देखी जा रही है। जिससे निवेशकों को थोड़ी राहत मिली है।

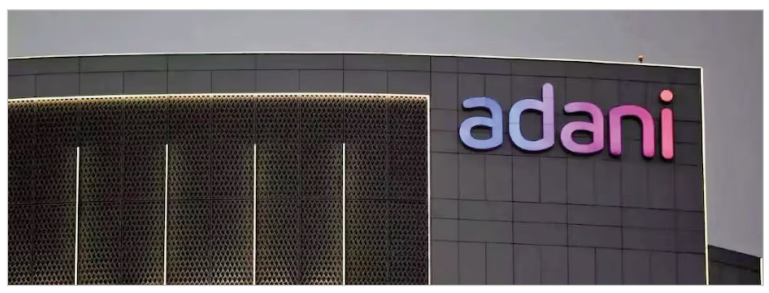

भारत और कतर ने समुद्री सहयोग मजबूत करने को लेकर चर्चा की

नई दिल्ली । केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कतर के परिवहन मंत्री जसीम सैफ अहमद अल-सुलैती से हाल ही में मुलाकात की और द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि विभिन्न क्षेत्रों में भारत-कतर सहयोग ऐतिहासिक घनिष्ठ संबंधों, नियमित और ठोस जुड़ाव के साथ लगातार प्रगाढ़ हो रहा है। बयान में सोनोवाल के हवाले से कहा गया कि बंदरगाह परिचालन, लॉजिस्टिक, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और डिजिटलीकरण के क्षेत्रों में बेहतर गतिविधियों को साझा करने के लिए भारतीय बंदरगाहों और कतर के बंदरगाहों के बीच बातचीत समेत द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता पर सार्थक चर्चा हुई। वित्त वर्ष 2021-22 में कतर के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 15.03 अरब डॉलर था। इस दौरान कतर को भारत का निर्यात 1.83 अरब डॉलर था और कतर से भारत का आयात 13.19 अरब डॉलर था।बयान के अनुसार, 2021 में भारत, कतर के लिए शीर्ष चार सबसे बड़े निर्यात स्थलों में से एक था और कतर के आयात के शीर्ष तीन स्रोतों में भी शामिल था।

एनसीएलएटी ने एक याचिका पर टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स और अन्य को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

रिलायंस कैपिटल के एक ऋणदाता की याचिका पर राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने मंगलवार को टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया। याचिका में कर्ज में डूबी दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत कंपनी के लिए दूसरे दौर की वित्तीय बोलियों की अनुमति देने की अपील की गई है। एनसीएलएटी के चेयरपर्सन अशोक भूषण की अगुवाई वाली दो सदस्यीय पीठ ने नोटिस जारी कर प्रतिवादियों को तीन दिन में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने याचिका को नौ फरवरी, 2023 के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। न्यायाधिकरण ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई कर निर्णय सुनाएगा। रिलायंस कैपिटल की ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) में एक विस्त्रा आईटीसीएल (इंडिया) लिमिटेड ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के एक आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी में अपील की है। पिछली दो फरवरी को एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने अनिल अंबानी प्रवर्तित रिलायंस कैपिटल (आरसीएपी) के अधिग्रहण के लिए नए दौर की नीलामी की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा था कि वित्तीय बोलियों के लिए चुनौती तंत्र पहले ही समाप्त हो चुका है। पीठ ने टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स की बैंकरों के दूसरे दौर की नीलामी के फैसले को चुनौती देने की अपील को स्वीकार कर लिया था। चुनौती तंत्र के आखिरी दौर में टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स ने सबसे ऊंची 8,640 करोड़ रुपए की बोली लगाई थी। रिलायंस कैपिटल पर कुल मिलाकर 40,000 करोड़ रुपए का कर्ज है।

सेबी ने निवेशकों का पैसा रखने पर लगाई रोक!

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

शेयर बाजार की कारोबारी गतिविधियों पर नजर रखने वाली नियामक संस्था सेबी ने ब्रोकरों द्वारा निवेशकों के पैसे के दुरुपयोग की आशंका को खत्म करने के लिये बड़ा कदम उठाया है। सेबी ने कारोबारी सदस्यों तथा क्लियरिंग सदस्यों को दिन के आखिरी तक निवेशक का पैसा रखने पर रोक लगाने और पूरी राशि उसी दिन क्लियरिंग कॉर्पोरेशन को लौटाने प्रस्ताव दिया है। मौजूदा व्यवस्था में जब निवेशक ब्रोकर के पास पैसा रखता है, उसका एक हिस्सा ब्रोकर अपने पास रखता है और एक हिस्सा क्लियरिंग कॉर्पोरेशन सदस्य के पास होता है। शेष राशि क्लियरिंग कॉर्पोरेशन के पास चली जाती है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने परामर्श पत्र में दैनिक आधार पर शेयर ब्रोकर और क्लियरिंग सदस्यों के पास पड़े निवेशकों की सारी रकम क्लियरिंग कॉरपोरेशन को ट्रांसफर करने का प्रस्ताव किया है। इस कदम का मकसद ब्रोकरों और क्लियरिंग सदस्यों के पास पड़े निवेशकों के कोष की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। नियामक ने कहा कि निवेशकों की प्रतिभूतियों और कोष की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाये गए हैं लेकिन शेयर ब्रोकर और क्लियरिंग सदस्यों के पास पड़े निवेशकों के कोष के दुरुपयोग की आशंका हो सकती है। सेबी ने कहा कि 6 जनवरी की स्थिति के अनुसार दैनिक खाता निपटान के तहत निवेशकों के करीब 46,000 करोड़ रुपए ब्रोकरों और क्लियरिंग सदस्यों पास पड़े थे। यह भी ध्यान देने की बात है कि देश के 1,355 शेयर ब्रोकर सभी नियामकीय सुरक्षा उपायों के अधीन नहीं हैं। नियामक ने प्रस्ताव पर लोगों से 17 फरवरी तक सुझाव मांगे हैं।

ओएनजीसी नई खोजों में करेगी अरबों डॉलर का निवेश

बेंगलुरु ।

देश की प्रमुख तेल एवं गैस उत्पादक कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) इस साल उत्पादन में गिरावट के बरसों से जारी रुख को पलटेगी और उसके बाद धीरे-धीरे उत्पादन बढ़ाएगी। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ओएनजीसी नई खोजों से उत्पादन शुरू करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2021-22 में 2.17 करोड़ टन से अधिक कच्चे तेल का उत्पादन किया था। कच्चे तेल का शोधन कर इसे पेट्रोल और डीजल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों में बदला जाता है।

बीते वित्त वर्ष के दौरान कंपनी का प्राकृतिक गैस उत्पादन 21.68 अरब घनमीटर रहा। प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बिजली उत्पादन, उर्वरक विनिर्माण और वाहनों के लिए सीएनजी के रूप में किया जाता है। ओएनजीसी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह ने कहा कि हम 2023-24 और यहां तक कि चालू वर्ष में भी तेल एवं गैस उत्पादन में बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे हैं। चालू वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का कच्चे तेल का उत्पादन बढ़कर 2.28 करोड़ टन पर पहुंचने का अनुमान है। वहीं गैस का उत्पादन 22.09 अरब घनमीटर रहने का अनुमान है। अगले वित्त वर्ष में कच्चे तेल का उत्पादन 2.46 करोड़ टन और गैस उत्पादन 25.68 अरब घनमीटर रहने का अनुमान है। ओएनजीसी का घरेलू उत्पादन में 71 प्रतिशत का हिस्सा है। एक दशक से अधिक से कंपनी के क्षेत्रों से उत्पादन में धीरे-धीरे कमी आ रही है।

इसकी वजह यह है कि कंपनी के क्षेत्र काफी पुराने हो चुके हैं। सरकार ने उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास में ओएनजीसी के बड़े तेल और गैस क्षेत्रों को निजी और विदेशी कंपनियों को देने पर विचार किया था, लेकिन इस मामले में उसे आंतरिक विरोध का सामना करना पड़ा था।

रिलायंस ने पेश किया हाइड्रोजन से चलने वाला ट्रक

मुंबई ।(एजेंसी)

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने हाइड्रोजन से चलने वाला ट्रक पेश किया है। रिलायंस ने बेंगलुरु में इंडिया एनर्जी वीक में इस हेवी ड्यूटी ट्रक को पेश किया। यह देश का पहला एच2आईसीई टेक्नोलॉजी वाला ट्रक है। इंडिया एनर्जी वीक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हाइड्रोजन इंटरनल कम्बस्चन इंजन संचालित ट्रक से करीब-करीब जीरो उत्सर्जन होता है। यह पारंपरिक डीजल ट्रक के बराबर ही परफॉर्मेंस देता है। साथ ही शोर भी कम करता है। इसकी परिचालन लागत भी कम है। इस तरह यह ग्रीन मोबिलिटी के भविष्य को एक नई परिभाषा देता है।

अपने नेट कार्बन जीरो विजन के हिस्से के रूप में रिलायंस अपने व्हीकल पार्टनर अशोक लेलैंड और अन्य टेक्निकल पार्टनर्स के साथ पिछले साल से इस यूनिक टेक्नोलॉजी को डेवलप करने में लगा हुआ है। पिछले साल 2022 की शुरुआत में पहला इंजन आया था। फ्लीट में बड़े पैमाने पर पहली कमर्शियल तैनाती से पहले रिलायंस हेवी ड्यूटी ट्रक के लिए एच2आईसीई टेक्नोलॉजी का परीक्षण और सत्यापन करेगा। इसके साथ ही रिलायंस मोबिलिटी के लिए एंड-टू-एंड हाइड्रोजन ईको सिस्टम बनाने की कोशिश कर रहा है।

टेनिस : अबु धाबी के पहले मैच में ओस्टापेंको ने कोलिन्स को दी मात

(एजेंसी)।पांचवीं वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी जेलेना ओस्टापेंको ने अबु धाबी ओपन के पहले दौर में अमेरिकी खिलाड़ी डेनिएल कोलिन्स को 2 घंटे 18 मिनट में 7-5, 1-6, 7-5 से हरा दिया। ओस्टापेंको ने पिछले फरवरी में दुबई में अपना पांचवां और सबसे हालिया खिताब जीता था। कोलिन्स के खिलाफ कई मैचों में यह उनकी दूसरी जीत थी। लातवियाई ने 2018 मियामी सेमीफाइनल में भी 7-6(1), 6-3 से जीत दर्ज की थी।अबु धाबी, 7 फरवरी पांचवीं वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी जेलेना ओस्टापेंको ने अबु धाबी ओपन के पहले दौर में अमेरिकी खिलाड़ी डेनिएल कोलिन्स को 2 घंटे 18 मिनट में 7-5, 1-6, 7-5 से हरा दिया।ओस्टापेंको ने डब्ल्यूटीए से कहा, डैनियल एक महान खिलाड़ी हैं और उनके खिलाफ हमेशा एक कठिन मैच होता है क्योंकि वह वास्तव में अच्छा खेलती है। मैच तब तक खत्म नहीं होता जब तक जीत नहीं जाते। मुझे वास्तव में खुशी है कि मैंने बेहतर किया। इस प्रकार के मैचों से आत्मविश्वास मिलता है।

पहले ही लिफ्ट से दर्द झेलकर भी चैंपियन बनीं आकांक्षा

इन्दौर ।(एजेंसी)।

ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू बनने का सपना देखने वाली महाराष्ट्र की वेटलिफ्टर आकांक्षा व्यवहारे के लिए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में डेब्यू काफी संघर्षपूर्ण और दर्द भरा रहा। आकांक्षा बेशक 45 किग्रा कैटेगरी में चैंपियन बनकर उभरीं लेकिन रजत जीतने वाली अस्मीता धोने से उन्हें कड़ी टक्कर मिली। क्लीन एंड जर्क में अस्मिता ने आकांक्षा के 80 किग्रा की तुलना में 82 किग्रा वजन उठाकर इस उभरती एथलीट को यह संकेत दिया कि नया वेट केटेगरी उनके लिए फूलों की सेज नहीं है।

14 साल की आकांक्षा ने कुल 147 किग्रा वजन उठाया। यह अस्मिता (143) से मात्र चार किलो कम था। स्नैच में आकांक्षा ने 67 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में 80 किग्रा वजन उठाया। कुल वजन के मामले में आकांक्षा ने यूथ नेशनल रिकार्ड बनाया लेकिन स्नैच में 61 किग्रा और क्लीन एंड जर्क 82 किग्रा उठाने वाली अस्मिता तीसरे स्थान पर रहीं। उत्तरप्रदेश की अंजली पटेल ने कुल 142 किग्रा (स्नैच 63 किग्रा, क्लीन एवं जर्क 79 किग्रा) वजन उठाकर आकांक्षा को यह सोचने पर मजबूर किया कि आने वाले समय में उन्हें बतौर टॉप एथलीट अपनी प्रतिभा साबित करने के लिए और अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आकांक्षा ने खुद स्वीकार किया कि मुकाबला काफी कठिन था। आकांक्षा ने कहा, - मुकाबला टफ था। मैंने जितना सोचा था, उसके कहीं अधिक। हालांकि मैंने अपना परफार्मेंस बेहतर किया है लेकिन मैं इसे और कैसे बेहतर कर सकती हूं, इस पर नए सिरे से विचार करूंगी। नए वेट कैटेगरी में मेरा यह नागरकोइल नेशनल्स के बाद केवल दूसरा टूर्नामेंट था। अब मैं पटियाला कैंप के लिए जा रही हूं और अपनी गलतियों पर सुधार करूंगी। मैंने महसूस किया कि मैं इससे बेहतर कर सकती थी लेकिन कुछ कारणों से मैं चूक गई।- नागरकोइल में आकांक्षा ने 65 और 79 लिफ्ट किया था। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में आकांक्षा ने इससे बेहतर प्रदर्शन किया लेकिन क्लीन एंड जर्क में लास्ट लिफ्ट गिरने के कारण वह इसमें पीछे रह गईं। इसके पीछे के कारणों के बारे में पूछे जाने पर आकांक्षा ने कहा, - क्लीन एंड जर्क में मेरी लास्ट लिफ्ट गिर गई थी नहीं तो मेरा स्कोर अधिक हो सकता था। आकांक्षा ने यह भी कहा कि पहले लिफ्ट से ही वह एल्बो में दर्द महसूस कर रही थीं। यह वही दर्द था , जो मेक्सिको में बीते साल हुए इंटरनेशनल इवेंट के दौरान लगी चोट का नतीजा था। इस कारण भी उनका परफॉर्मेंस मनमाफिक नहीं रहा। आकांक्षा ने कहा-पहले जर्क के दौरान मुझे दर्द हुआ था क्योंकि मेरा जर्क असंतुलित हो गया था। पहले लिफ्ट से ही दर्द हो रहा था लेकिन फिर भी मैं अड़ी रही। अंतिम क्लीन एंड जर्क लिफ्ट में थोड़ी जल्दबाजी कर बैठी और इस कारण मेरा लिफ्ट खराब हो गया। अगर वह अच्छा लिफ्ट रहता तो मैं क्लीन एंड जर्क में भी अच्छा परफॉर्म कर सकती थी।

इन्दौर में इंतजाम से खुश है आकांक्षा-

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिए इन्दौर के बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में की गई व्यवस्था से आकांक्षा काफी खुश नजर आईं। आकांक्षा ने कहा,- प्लेटफार्म बहुत बड़ा था। स्टेज भी काफी बड़ा था। मुझे सबकुछ नेशनल और इंटरनेशनल स्तर का लग रहा था और फिर फाइट भी बहुत था। शुरुआत में मैं अपने गेम को एन्जॉय कर रही थी। मेडल मेरे दिमाग में नहीं था लेकिन जब गेम आगे बढ़ा तो मेरा भी हौसला बढ़ा और मैंने मेडल के बारे में सोचना शुरू कर दिया। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों से भी मुझे काफी जोश और सहयोग मिला।

चार से 26 मार्च तक मुंबई में खेला जाएगा महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट

ब्रेबॉर्न और डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले जाएंगे सभी मैच

मुम्बई ।(एजेंसी)।

महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट (डब्ल्यूपीएल) चार से 26 मार्च तक मुंबई में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के सभी मैच ब्रेबॉर्न और डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसमें शुरुआती मुकाबला गुजरात जायंट्स और मुंबई इंडियंस की फ्रेंचाइजी टीमों के बीच होगा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा, महिला प्रीमियर लीग चार से 26 मार्च तक मुंबई में खेली जायेगी। लीग में कुल 22 मैच खेले जाएंगे और तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी। वहीं दूसरे और तीसरे स्थान का फैसला नॉकआउट मैचों से होगा। धूमल ने यह भी कहा कि इस लीग के लिये खिलाड़ियों की नीलामी 13 फरवरी को मुंबई में की जाएगी। डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली कैपिटल जैसी आईपीएल टीमों के अलावा कैपरी ग्लोबल होल्डिंग्स (लखनऊ) और अडानी स्पोर्टलाइन ने फ्रेंचाइजी टीमें खरीदी हैं। लगभग 1500 खिलाड़ियों ने लीग के लिए पंजीकरण कराया है और अंतिम सूची इस सप्ताह के अंत में जारी की जाएगी। इस नीलामी में हर फ्रेंचाइजी टीम खिलाड़ियों पर 12 करोड़ रुपये खर्च कर सकती है। सभी टीमों को कम से कम 15 और अधिकतम 18 खिलाड़ियों के लिए बोली लगानी पड़ेगी।

आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए लिचफील्ड, मूनी, स्क्रिवेंस नामांकित

दुबई, दो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों फोएबे लिचफील्ड और बेथ मूनी के साथ आईसीसी अंडर19 महिला टी20 विश्व कप के पहले सीजन में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहीं इंग्लैंड की ग्रेस स्क्रिवेंस को जनवरी 2023 के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। जनवरी 2023 के लिए आईसीसी महिला खिलाड़ी ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए शॉर्टलिस्ट की घोषणा क्रिकेट के एक ब्लॉकबस्टर महीने के बाद की गई, जिसमें दक्षिण अफ्रीका में पहली बार आईसीसी अंडर19 महिला टी20 विश्व कप का प्रदर्शन भी शामिल था। ऑस्ट्रेलिया की फोएबे लिचफील्ड ने जनवरी में अपने वनडे करियर की शुरुआत की थी और पाकिस्तान पर हाल की श्रृंखला जीत के दौरान एक के बाद एक प्रभावी अर्धशतक बनाकर 50 ओवर के प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रभाव छोड़ा था। इस सूची को इंग्लैंड की अंडर19 कप्तान ग्रेस स्क्रिवेंस द्वारा पूरी की गई है, जिन्होंने प्रभावशाली ऑल-राउंड प्रदर्शन के बाद आईसीसी अंडर19 महिला टी20 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट पुरस्कार हासिल किया।

ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम के कप्तान फिंच ने खेल को अलविदा कहा

सिडनी ।(एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई विश्व विजेता टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान आरोन फिंच ने खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया है। 36 वर्षीय फिंच साल 2015 में आईसीसी पुरुष एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम में भी शामिल रहे थे। वहीं साल 2021 में टी20 विश्व कप विजेता टीम के वह कप्तान थे। खेल से संन्यास की घोषणा करते हुए फिंच ने कहा कि उन्होंने यह फैसला इसलिए किया है क्योंकि बढ़ती उम्र के कारण वह अगले विश्वकप तक नहीं खेल पायेंगे। इसलिए मैंने सोचा कि यह सही समय है जब मैं पद छोड़ सकता हूं ताकि टीम को योजना बनाने का समय मिल सके। इसके साथ ही फिंच ने अपने परिवार और प्रशंसकों विशेष रूप से पत्नी एमी, टीम के साथियों, क्रिकेट क्लब विक्टोरिया, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स असोसिएशन को सहयोग के लिए धन्यवाद। परिवार के प्रति आभार जताते हुए कहा कि मुझे उस खेल को खेलने की अनुमति दी जो मुझे पसंद है। इसके साथ ही मैं उन सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरे पूरे अंतरराष्ट्रीय करियर में मेरा समर्थन किया। इस क्रिकेटर ने कहा, साल 2021 में टी20 विश्व कप की पहली जीत और 2015 में घरेलू धरती पर एकदिवसीय विश्व कप जीत हमेशा ही मेरे लिए यादगार पल रहेंगे। साथ ही कहा कि करीब 12 वर्षों तक ऑस्ट्रेलिया की ओर से दिग्गज खिलाड़ियों के साथ खेलना एक बड़ा सम्मान रहा है। गौरतलब है कि फिंच टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 34.28 रन की औसत और 142.53 के स्ट्राइक-रेट से इस सबसे छोटे प्रारुप में 3120 रन बनाए हैं। साल 2018 में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने सबसे अधिक 172 रन बनाये थे , यह रिकार्ड आज भी कायम है। इस क्रिकेटर ने एकदिवसीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया था।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी गेंदबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंची स्नेह

हरमनप्रीत दसवें स्थान पर पहुंची

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेटर स्नेह राणा अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर पहुंच गयी हैं। वहीं भारत की ही दीप्ति शर्मा एक स्थान के नुकसान के साथ ही तीसरे स्थान पर फिसल गयी हैं। स्नेह को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। स्नेह ने फाइनल में 21 रन देकर 2 खिलाड़ियों को आउट किया था। वहीं दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर एन एमलाबा दूसरे स्थान पर आयी है जिससे भारत की दीप्ति को एक स्थान का नुकसान हुआ है। पछाड़कर दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया। दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर ने भारतीय टीम के खिलाफ दो विकेट लिए थे। वहीं बल्लेबाजी रैंकिंग की बात करे तो भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को एक स्थान का लाभ मिला है और वह अब शीर्ष दस खिलाड़ियों में शामिल हो गयी हैं। इसके अलावा दीप्ति शर्मा दो पायदान ऊपर आकर 23वें और हरलीन देयोल 20 पायदान ऊपर आकर 110वें स्थान पर पहुंच गयी हैं। दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर चोले ट्रायोन नंबर एक पर बनी हुई हैं।

सानिया और बेथानी आबूधाबी ओपन से बाहर हुई

अबुधाबी । भारत की सानिया मिर्जा और उनकी जोड़ीदार अमरीका की बेथानी माटेक सैंड्स अबुधाबी ओपन टेनिस के महिला युगल मुकाबले में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। सानिया और बेथानी को पहले ही दौर में बेल्जियम की क्रिस्टीन फ्लिपकेंस और जर्मनी की लौरा सीजमंड ने एक घंटे से अधिक समय तक चले संघर्ष के बाद 3-6, 4-6 से हराया। सानिया अब अपने करियर का अंतिम टूर्नामेंट 19 फरवरी से दुबई ओपन खेलेंगी। सानिया ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि दुबई टेनिस चैम्पियनशिप के बाद वह खेल को अलविदा कह देंगी। सानिया इससे पहले अपने अंतिम ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मिश्रित युगल में रोहन बोपन्ना के साथ उपविजेता रहीं थीं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में इस बार स्पिन गेंदबाजों का रहेगा दबदबा

अश्विन और नाथन लायन पर रहेंगी नजरें

नागपुर ।(एजेंसी)।

भारत और मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार से यहां शुरु हो रही चार टेस्ट मैचों की सीरीज में स्पिनरों के हावी रहने की संभावनाएं हैं। इसी को देखते हुए दोनो ही टीमों में स्पिनरों की अच्छी खासी तादाद नजर आ रही है। ऑस्ट्रेलियाई स्पिन आक्रमण की कमान जहां नाथन लायन के हाथ में रहेगी।

वहीं भारतीय स्पिन आक्रमण आर आश्विन पर आधारित रहेगा। टेस्ट क्रिकेट में इन दोनों ही गेंदबाजों का आंकड़ा बल्लेबाज को भयभीत करने वाला है। इन दोनो ही क्रिकेटरों के नाम टेस्ट क्रिकेट में 450 से अधिक विकेट हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ये दोनो इस सीरीज में 500 विकेट का आंकड़ा हासिल कर सकते हैं। लायन ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से अब तक कुल 115 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 2.93 के औसत से 460 विकेट लिए हैं। इस प्रकार 500 के आंकड़े तक पहुंचने के लिए उन्हें केवल 40 विकेट की जरुरत है। इस दौरान लायन ने 21 बार पांच जबकि मैच में तीन बार उन्होंने 10 विकेट लिए। भारतीय टीम के खिलाफ इस गेंदबाज का रिकॉर्ड शानदार रहा है। लायन ने भारत के खिलाफ अब तक 22 टेस्ट मैचों में 3.14 की इकॉनमी रेट से 94 विकेट लिए हैं। भारत के खिलाफ लायन ने 7 बार मैच में 5 विकेट लिए हैं जबकि एक बार उन्होंने 10 विकेट लिए थे। इससे तय है कि भारतीय बल्लेबाजों को इस स्पिनर से सावधान रहना होगा। इसका कारण है कि भारतीय पिचें स्पिन की सहायक मानी जाती हैं।

दूसरी ओर अश्विन भी लायन से पीछे नहीं हैं। अश्विन ने केवल 88 मैचों में 449 लिए हैं। इसमें उनका औसत 2.77 का रहा है। उन्होंने लायन से अधिक 30 बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया है जबकि 7 बार तो उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए हैं। ऐसे में टेस्ट करियर की तुलना करें तो अश्विन लायन से कहीं प्रभावी साबित हुए हैं।

वहीं अगर केवल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही अश्विन के आंकड़े पर नजर डालें तो केवल 18 मैचों में ही उन्होंने 89 विकेट लिए हैं। अश्विन की इस गेंदबाजी को देखकर आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के खिलाफ वह कितने अधिक सफल रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ मैच में 5 बार 5 विकेट लिए हैं जबकि 1 बार 10 विकेट लेने का रिकार्ड बनाया है।

शुभमन बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अहम भूमिका निभा सकता है : जयवर्धने

दुबई । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने के अनुसार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला में भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल अहम भूमिका निभा सकते हैं। जयवर्धने ने पिछले कुछ समय के अंदर शुभमन के प्रदर्शन को सराहा है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण से निपटने में वह भारतीय टीम की उम्मीद रहेंगे। दोनो ही टीमें अभी विश्व रैंकिंग में पहले और दूसरे नंबर पर हैं। यह सीरीज आगामी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिहाज से भी अहम है। भारतीय टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचने इस सीरीज में जीत की जरुरत है। जयवर्धने शुभमन के बारे में कहा, वह बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वह तकनीकी रूप से बहुत मजबूत है और वह गति का एक अच्छा खिलाड़ी है। वह उस ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण के खिलाफ अच्छी स्थिति में रहेगा पर भारतीय टीम के लिए यह सीरीज आसान नहीं रहेगी। यह एक बहुत अच्छी श्रृंखला होगी। उन्होंने कहा, वह इस समय शानदार फॉर्म में है और अगर वह इसी लय को लाल गेंद क्रिकेट में जारी रखता है तो अच्छा रहेगा। उसके पास गति, परिपक्वता और स्थितियों और हालातो की समझ है। ऐसे में वह वह भारतीय शीर्ष क्रम के लिए एक बड़ी संपत्ति है। उममें विरोध आक्रमण को ध्वस्त करने और दबाव में लाने की क्षमताएं हैं।

भारत के अनुज फीफा फुटबॉल एजेंट कार्यसमूह में शामिल

नई दिल्ली । भारत के अनुज किचलू को फीफा फुटबॉल एजेंट कार्यसमूह में जगह मिली है। अनुज इसमें शामिल होने वाले एकमात्र एशियाई हैं। फीफा ने सोमवार को 18 सदस्यीय कार्यसमूह का की घोषणा की है। यह क्षेत्र में फुटबॉल एजेंटों की कार्यप्रणाली को लेकर सलाह देता है। इसमें दुनिया भर के पेशेवर हितधारकों के प्रतिनिधि और एजेंट संगठन है जो फुटबॉल एजेंटों से जुड़े मसलों पर स्थायी सलाहकार संगठन होगा। कार्यसमूह में यूरोप और लेटिन अमेरिका का दबदबा है। कोलकाता से काम करने वाले किचलू स्पेन के संगठन बेस्ट आफ यू (बॉय) के सदस्य हैं और 2012 से फुटबॉल खिलाड़ियों के एजेंट का काम कर रहे हैं। उन्होंने ही बाला देवी और संदेश झिंगन जैसे खिलाड़ियों को यूरोपीय क्लब ट्रांसफर में सहायता की है। उन्होंने कहा ,'' फीफा के कार्यसमूह में हमें अपनी सलाह देनी है कि भारत में और इस क्षेत्र में एजेंट कैसे काम करते हैं । कार्यसमूह में अलग अलग क्षेत्रों के लोग हैं और हर तरह के एजेंट है। फीफा इस मामले में सभी से सलाह लेगा।''

शुभमन गिल, सिराज जनवरी 2023 के लिए मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नामित

दुबई, (एजेंसी)।

भारत के शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज ने श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ जबरदस्त सीरीज खेली थी। उनके साथ ही न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे को जनवरी 2023 के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्डस के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। शॉर्टलिस्ट की घोषणा क्रिकेट के एक ब्लॉकबस्टर महीने के बाद की गई, जिसमें दुनिया भर में द्विपक्षीय क्रिकेट की मेजबानी शामिल थी।आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्डस पिछले कैलेंडर माह से अंतरराष्ट्रीय मंच पर शानदार क्रिकेटरों को दिया जाता है और जनवरी 2023 के लिए लाइनअप में स्थापित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीनियर और नई प्रतिभाओं का मिश्रण होता है, जो पुरस्कारों का दावा करने की उम्मीद करते हैं। मैन्स प्लेयर ऑफ द मंथ शॉर्टलिस्ट में शामिल, प्रतिभाशाली बल्लेबाज गिल ने हाल ही में श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय प्रदर्शन के साथ दो शतक और एक दोहरा शतक लगाया था।गिल ने इस पुरस्कार के लिए अपना पहला नामांकन एक शानदार महीने के बाद प्राप्त किया, विशेष रूप से एकदिवसीय क्रिकेट में। इस अवधि के दौरान 113.40 के आश्चर्यजनक औसत से 567 वनडे रन बनाए। उनके शक्तिशाली स्ट्रोकप्ले ने उन्हें तीन मौकों पर तीन शतक बनाने में मदद की।यकीनन इस अवधि में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हैदराबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच में नाबाद 208 रन था, जिसमें केवल 149 गेंदों में 28 चौके लगे।मोहम्मद सिराज ने कउउ मेन्स डऊक प्लेयर रैंकिंग को जारी रखा है और जनवरी में गेंदबाजों के लिए शिखर पर पहुंच गए हैं, एक ही विपक्ष के खिलाफ बैक-टू-बैक चार विकेट लेने की बदौलत। आईसीसी मेन्स वनडे गेंदबाज रैंकिंग में सिराज का शीर्ष पर पहुंचना, उनके प्रदर्शन को दर्शाता हैआईसीसी मेन्स वनडे गेंदबाज रैंकिंग में सिराज का शीर्ष पर पहुंचना, उनके प्रदर्शन को दर्शाता है। जनवरी के लिए पुरुषों की शॉर्टलिस्ट को पूरा करने वाले न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे हैं, जिन्होंने महीने की शुरूआत पाकिस्तान में टेस्ट शतक बनाकर की थी, और इस बार वनडे में, भारत में एक और शतक के साथ समाप्त किया।

मियांदाद के भड़कीले बयान पर वेंकटेश प्रसाद ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली ।(एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एशिया कप के लिए पाकिस्तान नहीं जाने की घोषणा के बाद से ही पाक के कई क्रिकेटरों के भड़काऊ बयान सामने आये हैं। इनमें ये भी कहा गया कि इसके जवाब में पाक टीम भारत में होने वाले विश्वकप का बहिष्कार करें। इसी बीच अपने भड़कीले बयानों के कारण विवादों में रहने वाले पूर्व पाक क्रिकेटर जावेद मियांदाद ने कहा था कि अगर भारतीय टीम पाकिस्तान में नहीं आना चाहती तो वे भाड़ में चली जाए। अब मियांदाद के इसी बयान को लेकर पूर्व भारतीय गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने करार जवाब दिया है। प्रसाद ने मियांदाद की तरह कोई विवादित बात नहीं कही है पर उन्होंने मियांदाद के इस बयान पर ऐसी प्रतिक्रिया दी है कि जिससे पाक क्रिकेटरों की बोलती बंद है। मियांदाद के भारतीय टीम के भाड़ में जाए वाले बयान पर प्रसाद ने कहा, लेकिन वह भाड़ में जाने से इंकार कर रहे हैं। फैंस इस प्रतिक्रिया का यह भी मतलब निकाल रहे हैं कि भारतीय टीम भाड़ यानी पाक में जाने से इंकार कर रही है। मियांदाद ने इससे पहले भारत के साथ ही आईसीसी को लेकर भी विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था,मैंने पहले भी यह कहा है, भारत भाड़ में जाए अगर वे पाक नहीं आना चाहते हैं। इससे हमें कोई परेशानी नहीं है। यह सुनिश्चित करना आईसीसी का काम है कि भारत आए। यदि आईसीसी इसे नियंत्रित नहीं कर सकता है तो शासी निकाय होने का क्या मतलब है? इसमें हर टीम के लिए समान नियम होने चाहिए, चाहे वे कितने भी मजबूत क्यों न हों। भारत क्रिकेट नहीं चलाता है। यह एक पावरहाउस हो सकता है, लेकिन अपने घर में, हमारे लिए नहीं और ना ही दुनिया के लिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है। यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो। जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं। पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं। फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं। सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा। अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च। किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए। आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं। उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं। किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने। हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े। आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा। इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों। लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं। ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं। जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी। इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं। अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं। यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं। आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए। क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है। अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे। इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें। आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं। या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं। मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं। आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है। अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें। इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है।

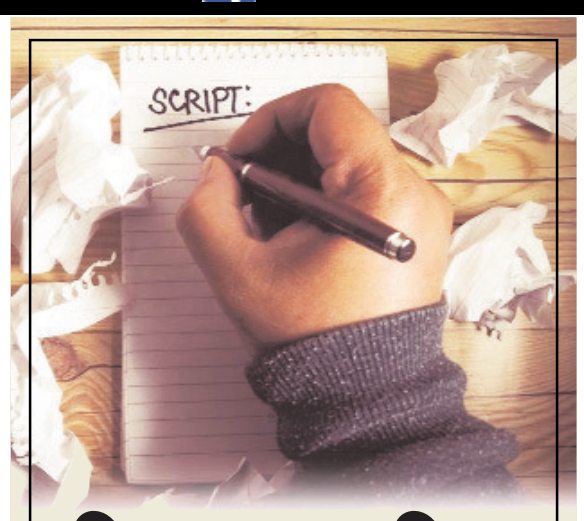

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं। अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं। ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं। ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है।
बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है।
जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है। कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है। विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए। वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है।
कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं। मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं।
जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए। आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके। साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें। इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णत- व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है। किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रैजुएशन कर सकते हैं। जो छात्र ग्रैजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश।

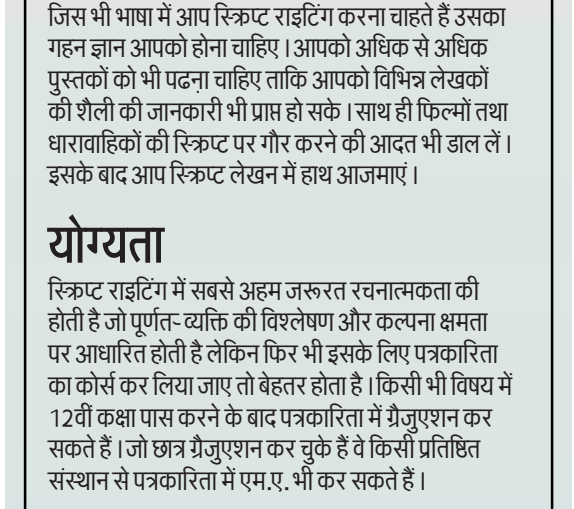

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है। इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है। इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं। वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं। वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं। इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं। भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।
यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है। यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो। इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है। यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है। इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं। उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है। उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की। यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं। इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है। हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है। महत्व बढिय़ा परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं। सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है। पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है। उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है।
देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है। मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं। ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं। विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं। यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है। पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं।
अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं। ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए। कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है। हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है। सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें। भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है। केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता। कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं। संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए। पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए।
प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए। फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं। मां त्रिस्तरीय काम करती है। सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है। अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है। ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए। कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान। आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं। हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम। सत्य शायद हम चूक जाएं। करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे। यह जीवन का फल है।

तुर्कि और सीरिया के आए भूकंप की आंशका जाहिर करने वाला टवीट हो रहा वायरल

–हूगरबीट्स ने तीन फरवरी को ट्वीट कर बड़े खतरे की आंशका जाहिर की थी

अंकारा। तुर्कि और सीरिया में आए विनाशकारी भूकंप से काफी नुकसान हुआ है। बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई हैं, साथ ही बड़े पैमाने पर दोनों देशों में तबाही मची है। इसी बीच, भूकंप के बारे में पहले से जाहिर की गई आशंका को लेकर किए ट्वीट अब वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर डच शोधकर्ता का भूकंप की संभावना को लेकर 3 फरवरी को किए ट्वीट वायरल हो रहा है। सोलर सिस्टम ज्योमेट्री सर्वे (एसएसजीओईएस) संस्था के शोधकर्ता फ्रैंक हूगरबीट्स ने तीन फरवरी को ट्वीट किया था कि मध्य तुर्किये, जॉर्डन और सीरिया में जल्द ही 7.5 तीव्रता का भूकंप आएगा। उन्होंने भूकंप आने से तीन–चार दिन पहले ही अनुमान लगाया था, जो अब वायरल हो रहा है। सोमवार को भूकंप आने के बाद, हूगरबीट्स ने ट्वीट किया, तुर्कि और सीरिया में भूकंप से मारे गए लोगों के साथ मेरी संवेदनाएं। जैसा कि मैंने पहले ही कहा था कि जल्द ही या कभी भी इस झेत्र में भूकंप आएगा और ये मैंने तीन फरवरी को ही बता दिया था। बता दें कि हूगरबीट्स की संस्था एसएसजीओईएस भूकंपीय गतिविधि से संबंधित आकाशीय पिंडों के बीच ज्योमेट्री की निगरानी पर काम करने का दावा करता है। उनके अनुसार, भूकंप ग्रहों के संरेखण से प्रभावित होते हैं। हालांकि, कई लोगों ने इस दावे को खारिज किया। कई लोगों ने कहा कि हूगरबीट्स का अनुमान वैज्ञानिक प्रमणों द्वारा समर्थित नहीं था। एक अन्य भूकंप विज्ञान शोधकर्ता ने कहा कि भूकंप ग्रहों के संरेखण से शुरू नहीं होते हैं और इसकी भविष्यवाणी करने का कोई वैज्ञानिक तरीका नहीं है।

युद्धाभ्यास का विस्तार और युद्ध की तैयारी बेहतर करे उत्तर कोरियाई सेना : किम जोंग

सियोल। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी सेना को युद्धाभ्यास का विस्तार करने और जंग की तैयारियों को मजबूत करने का आदेश दिया है। इसे उत्तर कोरिया के बढ़ते मिसाइल एवं हथियार परीक्षण कार्यक्रम से कोरियाई प्रायद्वीप में बढ़ते तनाव के बीच प्योंगयांग द्वारा शक्ति प्रदर्शन की एक और कवायद के रूप में देखा जा रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि किम ने सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के केंद्रीय सैन्य आयोग की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान, उन्होंने सशस्त्र बलों को रक्षा विकास के क्षेत्र में एक नए चरण की शुरुआत करने के लिए 'जीत दिलाने वाले हैरतअंगेज कारनामे' दिखाने और 'अतुलनीय सैन्य शक्ति' का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। एजेंसी के मुताबिक, बैठक में शामिल आयोग के सदस्यों ने सेना में 'महान बदलाव' लाने पर केंद्रित विभिन्न कार्यों पर चर्चा की, जिसमें 'युद्ध और लड़ाकू अभियानों के अभ्यास का लगातार विस्तार करना' तथा 'युद्ध संबंधी तैयारियों को और अधिक पुख्ता करना शामिल है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब उत्तर कोरिया द्वारा बुधवार को कोरियन पीपुल्स आर्मी के 75वें स्थापना दिवस के मौके पर राजधानी प्योंगयांग में भव्य सैन्य परेड निकाले जाने के संकेत मिल रहे हैं।

लगातार दूसरी बार भारतीय मूल की नताशा दुनिया की सबसे मेधावी छात्रा घोषित

वाशिंगटन। अमेरिका स्थित जॉन हॉपकिन्स सेंटर फॉर टैलेंटेड यूथ ने 76 देशों के 15,000 छात्र–छात्राओं की परीक्षा के नतीजों के आधार पर भारतीय–अमेरिकी स्कूली छात्रा नताशा पेरियानायगम को लगातार दूसरे साल दुनिया की सबसे मेधावी छात्रा घोषित किया है। पेरियानायगम (13) न्यूजर्सी में फ्लोरेंस एम गॉडिनीयर मिडल स्कूल की छात्रा हैं। उन्होंने 2021 में जॉन हॉपकिंस सेंटर फॉर टैलेंडेड यूथ (सीटीवाई) की परीक्षा दी थी। उस समय वह 5वीं ग्रेड की छात्रा थीं। मौखिक एवं मात्रात्मक योग्यता की परीक्षा में नताशा का प्रदर्शन ग्रेड आठ में 90 पर्सेंटाइल हासिल करने के बराबर था, जिस कारण उन्हें उस वर्ष की सम्मान सूची में जगह दी गई। विश्वविद्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि नताशा को इस साल एसएटी, एसीटी, स्कूल और कॉलेज एबिलिटी टेस्ट या सीटीवाई टैलेंट सर्च के तहत लिए गए समान मूल्यांकन में असाधारण प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। पेरियानायगम के माता–पिता चेन्नई से हैं। उन्होंने कहा पेरियानायगम को अपने खाली समय में गूगल डूडल बनाना और जेआरआर टोल्किन के उपन्यास पढ़ना बहुत पसंद है। सीटीवाई दुनियाभर में असाधारण मेधावी छात्रों की पहचान के लिए ऊपरी–ग्रेड स्तरीय परीक्षा का आयोजन करता है और उनकी अकादमिक क्षमताओं के बारे में स्पष्ट तस्वीर पेश करता है। अपने हालिया प्रयास में पेरियानायगम ने सभी उम्मीदवारों से अधिक ग्रेड प्राप्त किए।

बागपत के लाल बृजेंद्र राणा को यूक्रेनी सेना ने दिया बैज ऑफ ऑनर का सम्मान

–सैनिकों को दवा सप्लाई करने में निभाई अहम भूमिका

कीव। रूस और अमेरिका के बीच युद्ध को एक साल पूरा हो चुका है। 26 फरवरी को रूस ने पहली बार यूक्रेन पर हमला किया था। हमले के वक्त लगता था कि कुछ ही दिनों में रूस यूक्रेन को घुटने टेकने पर मजबूर कर देगा। हालांकि ऐसा हुआ नहीं। वहीं कई शहरों से रूसी सेना को खदेड़ गया है। इन सारे कामों में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की बड़ी भूमिका रही है। वह लगातार अपनी सेना का मनोबल बढ़ाते रहे और नागरिकों से भी मदद की अपील करते रहे। रूस के खिलाफ युद्ध में मदद करने के लिए मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले शख्स को भी यूक्रेन ने सम्मानित किया है। बृजेंद्र राणा बागपत के रहने वाले हैं। वह दवाई सप्लाई करने के काम में माहिर हैं। जेलेंस्की की अपील के बाद उन्होंने युद्ध के दौरान सैनिकों को दवाई सप्लाई करने का काम शुरू किया। उनके इस काम की वजह से यूक्रेनी सेना के कमांडर इन चीफ ने उन्हें बैज ऑफ ऑनर दिया। यह यूक्रेन में एक बहुत ही प्रतिष्ठित सम्मान है जिसे किसी विशेष अवसर पर केवल सेना प्रमुख ही देते हैं। इस मेडल में कीव में बनी मदरलैंड स्टेच्यू की तस्वीर होती है। यह कलाकृति यूक्रने के इतिहास में मायने रखती है। दूसरे विश्वयुद्ध की याद में इस बनवाया गया था। यह अवॉर्ड उस व्यक्ति को दिया जाता है जो कि सेना की मदद करता है। इसके अलावा सेना के नियमों को ध्यान में रखते हुए युद्ध जैसी परिस्थिति में अपना योगदान देता है। यूक्रेन के जनरल ने कहा, हालांकि बृजेंद्र का जन्म भारत में हुआ लेकिन वह यूक्रेन को अपना देश मानते हैं और मेडिकल सप्लाई के लिए अथक परिश्रम करते हैं। बृजेंद्र राणा 90 के दशक में ही यूक्रेन पढ़ाई करने के लिए गए थे। इसके बाद यूक्रेन में ही उन्होंने शादी कर ली।

चीन ने लैटिन अमेरिका के ऊपर देखे गए गुब्बारे को अपना बताया

–अमेरिकी सेना ने एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराया था

बीजिंग। चीन ने गत सोमवार को स्वीकार किया कि लैटिन अमेरिका के ऊपर कई दिनों तक उड़ता देखा गया विशाल गुब्बारा उसका है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले अमेरिकी सेना ने एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराया था जो कई दिनों तक अमेरिकी महाद्वीप के ऊपर उड़ता रहा था। कोलंबियाई वायुसेना और कोस्टा रिका के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण, दोनों ने पुष्टि की कि अमेरिका में दिखे सफेद गुब्बारे जैसा ही एक गुब्बारा पिछले सप्ताह उनके हवाई क्षेत्र में भी दिखा था, हालांकि उन्होंने इसे चीनी गुब्बारा नहीं बताया है। ऐसा पहली बार है जब चीन ने स्वीकार किया है कि लैटिन अमेरिका के दो देशों के ऊपर उड़ने वाले गुब्बारे उसके थे। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने गुब्बारों के संबंध में सवाल करने पर पत्रकारों से कहा कि लैटिन अमेरिका के ऊपर उड़ रहे गुब्बारों के बारे में यह सत्यापित हुआ है कि वह चीन के मानवरहित वायुयान हैं, वे असैन्य प्रकृति के हैं और उनका उपयोग उड़ान के परीक्षण के लिए हुआ था। चीन ने जासूसी करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि वे (गुब्बारे) मौसम की निगरानी कर रहे थे। इस घटना को लेकर वाशिंगटन और बीजिंग (अमेरिका और चीन) के बीच कूटनीतिक गतिरोध शुरू हो गया है।

तुर्की में आये भीषण भूकंप के बाद राहत के कार्यों को देखती हुई एक महिला।

पुतिन 24 फरवरी तक 180 डिग्री बदल देंगे युद्ध का स्वरूप, यूक्रेन पर छह मोर्चों से हमला करेगी रूस की सेना

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक डेडलाइन जारी की है। इसको लेकर कीव से लेकर लंदन और वाशिंगटन तक दहशत पैदा हो गई है। पुतिन ने 24 फरवरी की डेडलाइन घोषित की है। 24 फरवरी तक पुतिन की सेना वॉर का स्वरूप 180 डिग्री तक बदल देगी। अगले कुछ दिनों में यूक्रेन की हार तय हो जाएगी, क्योंकि पुतिन ने ऑपरेशन 24 फरवरी लॉन्च कर दिया है। 24 फरवरी 2023 को दुनिया पुतिन की असली ताकत देखेगी। रूस बारूद की ऐसी बारिश करने वाला है कि यूक्रेन की धरती दहल जाएगी। पुतिन ने यूक्रेन को पूरी तरह से बर्बाद करने का ऐलान कर दिया है। रूस ने यूक्रेन पर छह मोर्चों से हमला करने की तैयारी की गई है। पूर्व इज़राइली प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट का कहना है कि रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन ने उनसे अपने यूक्रेनी समकक्ष जेलेंस्की को नहीं मारने का वादा किया था। पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट युद्ध के पहले हफ्तों में एक अप्रत्याशित मध्यस्थ के रूप में उभरे थे। बेनेट पिछले साल मार्च में मॉस्को की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पुतिन से मिले थे। बेनेट की मध्यस्थता के प्रयासों ने रक्तपात को समाप्त करने की भरपूर कोशिश की। उनकी टिप्पणी, शनिवार देर रात ऑनलाइन पोस्ट किए गए एक साक्षात्कार में पर्दे के पीछे की कूटनीति पर प्रकाश डालती है।

मुश्किल में काम आने वाला ही सच्चा दोस्त होता है, भूकंप से तबाही के बाद मदद पर तुर्की ने इस अंदाज में भारत का शुक्रिया अदा किया

इस्तांबुल (एजेंसी)। करीब सौ साल बाद तुर्की में तबाही मची है। वो भी ऐसी जिसने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया। भूीकंप के झटकों से तुर्की और सीरिया का जर्रा-जर्रा कांप उठा। मुश्किल के इस घड़ी में दुनिया के कई देशों ने तुर्की को मदद का भरोसा दिया है। इस बीच भारत ने तुर्की की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। भारत ने तुर्की में भूकंप से लोगों की मदद के लिए एनडीआरएफ की एक टीम को रवाना किया गया है। इस टीम में विशेष रूप से ट्रेनिंग हासिल करने वाले अधिकारी और जवान शामिल हैं। एनडीआरएफ के 101 रेक्यूयर्स ऑपरेशन को कंडक्ट करेंगे। वहीं 24 घंटे के अंदर एक बाद एक चार भूकंप के झटके झेल रहे तुर्की को भारत द्वारा राहत प्रदान करने वाला

कदम इतना भाया कि उसने उसे सच्चा दोस्त करार दिया।

भारत में तुर्की के राजदूत फिरत सुनेल ने नई दिल्ली को धन्यवाद दिया और कहा, 'ज़रूरत में काम आने वाला दोस्त ही सच्चा दोस्त होता है। ट्विटर पर फिरात सुनेल ने कहा, तुर्की और हिंदी में एक आम शब्द 'दोस्त' है ... हमारे पास एक तुर्की कहावत हैः 'दोस्त करा गुंडे बेली ओलुर' (ज़रूरत में काम आने वाला दोस्त ही सच्चा दोस्त होता है)। बहुत बहुत धन्यवाद भारत। इससे पहले, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने तुर्की के दूतावास का दौरा किया और शोक व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सहानुभूति और मानवीय समर्थन से भी अवगत कराया।

प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि एक बैठक आयोजित की गई थी और यह निर्णय लिया गया था कि राहत सामग्री के साथ एनडीआरएफ और मेडिकल टीमों के खोज और बचाव दलों को तुर्की गणराज्य की सरकार के साथ समन्वय में तुरंत भेजा जाएगा। पीएमओ ने एक बयान में कहा, राष्ट्रीय आपदा राहत बल (एनडीआरएफ) की दो टीमें, विशेष रूप से प्रशिक्षित डॉग स्क्वायड और आवश्यक उपकरणों के साथ 100 कर्मियों को शामिल करते हुए, खोज और बचाव कार्यों के लिए भूकंप प्रभावित क्षेत्र में जाने के लिए तैयार हैं।

परमाणु संपन्न पाकिस्तान पर बुरी नजर न डालें भारत : पीएम शरीफ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चेतावनी दी है कि अगर भारत ने पाकिस्तान पर बुरी नजर डालने की हिमाकत की तो उनके परमाणु संपन्न देश के पास उसे पैरों तले कुचलने की ताकत है। उन्होंने कश्मीरियों के प्रति समर्थन जताते हुए 'कश्मीर एकता दिवस' पर रविवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की विधानसभा को संबोधित करते हुए उक्त टिप्पणियां कीं। शरीफ ने कहा, ''पाकिस्तान के पास परमाणु ताकत है और भारत हम पर बुरी नजर नहीं डाल सकता। हमारे पास उसे अपने पैरों तले कुचलने की ताकत है।'' उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान कश्मीर के मुद्दे पर नैतिक, कूटनीतिक और राजनीतिक समर्थन देता रहेगा।''

उन्होंने कश्मीरियों को भी हमेशा समर्थन देते रहने की बात कही। ऐसा लगता है कि शरीफ ने स्थानीय लोगों का समर्थन जीतने के लिए इस मौके पर भारत के प्रति जहर उगला क्योंकि इमरान खान की अगुवाई वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसान ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में उनकी पार्टी को शिकस्त दी थी।

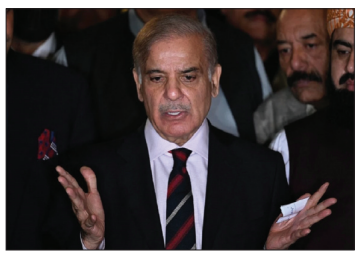

गौरतलब है कि पिछले महीने दुबई के एक चैनल को दिए साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने कहा था कि भारत के साथ तीन युद्ध के बाद पाकिस्तान ने सीख ले ली है और अब वह अपने पड़ोसी के साथ शांति चाहता है।

अमेरिका ने यूक्रेन को लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार दिए तो परमाणु हमला कर सकता है रूस

–चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने जताई आशंका

वाशिंगटन (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन की जंग और तेज होती जा रही है। रूस की रणभूमि में न्यूक्लियर हथियारों का प्रयोग किए जाने की आशंका प्रबल हो गई है। एटमी युद्ध का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। एक साल से जंग लड़ रहे पुतिन किसी भी समय परमाणु विस्फोट कर सकते हैं। पुतिन को हर हाल में जीत चाहिए और इससे कम कुछ भी नहीं। यूक्रेन हथियार डालने को तैयार ही नहीं नजर आ रहा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा है कि पूर्वी यूक्रेन में डोनेट्स्क का क्षेत्र युद्ध में हॉट स्पॉट बना हुआ है, देश अब पूरे पूर्वी डोनबास क्षेत्र को जब्त करने के उद्देश्य से आक्रमण की तैयारी कर रहा है। वहीं यूक्रेन की तरफ से 24 फरवरी को रूस के भीषण हमले का दावा भी किया जा रहा है।

वैसे तो जंग रूस और यूक्रेन के बीच चल रही है, लेकिन पुतिन की तरफ से एटमी हमले की धमकी चीन दे रहा है। रूस यूक्रेन युद्ध कभी भी परमाणु युद्ध में बदल सकता है। रूस किसी भी वक्त यूक्रेन पर एटम बम दाग सकता है। यह ऐलान पुतिन ने नहीं चीन राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है। रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर चीन ने पहली बार जो कुछ कहा है उसमें महाविनाश का की छवि दिखाई देती है।

चीन ने ऐलान कर दिया है कि अगर अमेरिका ने यूक्रेन को लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियार दिए तो रूस यूक्रेन पर परमामु हमला कर सकता है। यूक्रेन परास्त नहीं हो रहा है तो इसकी बड़ी वजह अमेरिका और नाटो है। अमेरिका की अगुवाई में नाटो देश लगातार यूक्रेन को सैन्य मदद दे रहे हैं। इन्हीं पश्चिमी हथियारों से यूक्रेन अब तक युद्ध में टिका हुआ है। इस बात से पुतिन इतने गुस्से में है कि कभी भी एटमी हमला कर सर्वनाथ कर सकते हैं। रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर चीन ने जो खौफनाक चेतावनी दी है वो यही ऐलान कर रहा है कि पुतिन बहुत जल्द परमाणु प्रहार करने वाले हैं।

तुर्की व सीरिया में भूकंप से मरने वालों की संख्या हो सकती है 20 हजार के पार

–मची तबाही के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जताई आशंका

इस्तांबुल (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ ने कहा कि तुर्की और सीरिया में भीषण भूकंप से मरने वालों की संख्या आठ गुना तक बढ़ सकती है। मौजूदा समय में मौतों का आंकड़ा 3 हजार 800 है, जो तेजी से बढ़ता जा रहा है। मीडिश के अनुसार विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि भूकंप से मरने वालों की संख्या 20 हजार से ज्यादा हो सकती है। डब्ल्यूएचओ ने बताया कि ऐसे भीषण भूकंपों में अक्सर शुरुआती मौतों की संख्या में आठ गुना बढ़ोतरी देखी जाती है। डब्ल्यूएचओ ने जब ये आशंका जताई है कि तब मौतों का आंकड़ा 2 हजार 600 था। तुर्की में सोमवार सुबह पहला बड़ा भूकंप आया और उसके बाद लगभग 12 घंटे बाद एक दूसरा ताकतवर भूकंप आया। डब्ल्यूएचओ की ओर से यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब बचावकर्मी कड़ी ठंड के मौसम में मलबे में जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। बचाव प्रयासों में मदद के लिए दुनियाभर के देशों ने सहयोग करने के लिए कदम बढ़ाया है।

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार तुर्की और सीरिया में गाजियांटेप शहर के पास 17.9 किमी. (11 मील) की गहराई पर 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जो तुर्की में रिकॉर्ड किया गया अब तक का सबसे भीषण भूकंप है। इसने पूरे देश को लगभग दो मिनट तक हिलाकर रख दिया। यूएसजीएस ने कहा कि दूसरे भूकंप की तीव्रता 7.5 थी और इसका केंद्र कहारनमारस प्रांत के एल्बिस्तान जिले में था. बहरहाल डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी देते हुए कहा कि तुर्की के भूकंप में मरने वालों की संख्या, मौजूदा मौतों की संख्या के आठ गुना तक बढ़ने की संभावना है।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि दुर्भाग्य से मरने वालों या घायल होने वालों की संख्या की जो प्रारंभिक रिपोर्ट है, आने वाले हफ्ते में ये काफी बढ़ जाएगी। डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा कि ठंड के इस खतरनाक मौसम में कई लोगों बेघर हो सकते हैं, जो खतरों को और भी बढ़ाता है। तुर्की और सीरिया में हजारों इमारतें इन भूकंपों के झटकों से मिनटों में धराशायी हो गईं। सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर शेयर किए गए कई वीडियो दिखाई दिए, जिनमें तबाही का आलम सामने आया। बहुत सी सड़कें नष्ट हो गई हैं और दोनों देशों से आ रही तस्वीरों में जहां तक नजर जा सकती है, वहां तक मलबे के बड़े-बड़े पहाड़ नजर आ रहे हैं।

यूएई में नया कानून लागू होने के बाद 6000 से ज्यादा गैर-मुस्लिम कपल ने थामा एक दूसरे का हाथ

अबू धाबी(एजेंसी)। एक फरवरी को संयुक्त अरब अमीरात में एक ऐतिहासिक कानून लागू किया गया है। इस कानून के चलते गैर-मुस्लिम प्रवासियों या यूएई में रहने वाले गैर-मुस्लिमों के लिए शादी की प्रक्रिया तेज हो सकेगी। संयुक्त अरब अमीरात की न्यायिक प्रणाली में यह कानून काफी अहम है। क्योंकि पुराने कानूनों के मुताबिक गैर-मुस्लिम जोड़े देश के शरिया कानून का पालन किए बिना शादी और तलाक नहीं ले सकते थे। गैर-मुस्लिमों के लिए नए व्यक्तिगत स्थिति कानून के तहत, शादी, तलाक, विरासत, वसीयत, बच्चे की कस्टडी और पितृत्व जैसे पारिवारिक मामले शरिया कानून का पालन किए बिना लागू किए जाएंगे।

प्रवासियों को पहले शादी या तलाक लेने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के शरिया कानून का पालन करना पड़ता था, भले ही यह उनके अपने देश के कानूनों से अलग हो। इन सुधारों को पहली बार 27 नवंबर 2021 को संयुक्त अरब अमीरात के दिवंगत राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान ने मंजूरी दी थी। 7 अमीरातों में से केवल अबू धाबी ने पिछले साल नवंबर में नए सुधारों को अपनाया था, लेकिन अब यह कानून सभी सात अमीरात दुबई, फुजैराह, शारजाह, अजमान, उम्म अल क्वैन और रास अल खैमाह सहित में लागू किए जाएंगे। नए कानून जिसे अबू धाबी पहले ही लागू कर चुका है के तहत अब तक 127 देशों के 6,000 से अधिक जोड़े शादी के बंधन में बंध चुके हैं। शादी करने वालों में ज्यादातर फिलिपींस के लोग हैं।।

पेशावर मस्जिद हमला मामले में बड़ा खुलासा, अफगानिस्तान में रची गई थी साजिश, खुफिया एजेंसी ने किया था फंड

नई दिल्ली /बीजिंग। (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वाह में मस्जिद पर हुए आत्मघाती हमले की साजिश अफगानिस्तान में रची गई थी और उसकी खुफिया एजेंसी ने इस हमले को फंड किय था। आत्मघाती हमले की जांच कर रहे देश के कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी में यहां एक अत्यधिक सुरक्षित मस्जिद को निशाना बनाने की साजिश अफगानिस्तान में रची गई थी और उनकी खुफिया एजेंसी द्वारा वित्त पोषित थी। 30 जनवरी को तालिबान के एक आत्मघाती हमलावर ने पेशावर की एक मस्जिद में दोपहर की नमाज़ के दौरान खुद को उड़ा लिया, जिसमें 101 लोग मारे गए और 200 से अधिक अन्य घायल हो गए।पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने पहले कहा था कि हमलावर ने उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में घुसने के लिए पुलिस की वर्दी पहन रखी थी और वह हेलमेट और नकाब पहने मोटरसाइकिल पर सवार था। जांच अधिकारियों ने कहा कि पेशावर मस्जिद आत्मघाती हमले की साजिश अफगानिस्तान में रची गई थी और काबुल स्थित खुफिया एजेंसी द्वारा वित्त पोषित थी। अधिकारियों ने कहा कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल पेशावर के हलचल भरे बाजार सरकी गेट में दो बार बेची गई। पुलिस ने कहा कि उन्होंने मोटरसाइकिल के विक्रेताओं को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस सूत्रों ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने विनाशकारी विस्फोट में शामिल 17 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है - पाकिस्तान में दशकों में सुरक्षाकर्मियों पर सबसे घातक हमला। इस बीच, काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट पेशावर ने आत्मघाती हमलावर की मदद करने वालों के लिए 10 मिलियन पीकेआर के इनाम की घोषणा की है।

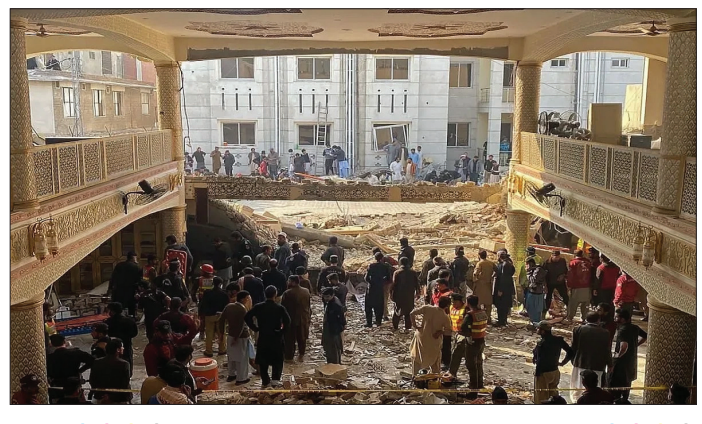

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंतरराष्ट्रीय सट्टा गिरोह का भंडाफोड़, 16 गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में पुलिस ने एक कथित अंतरराष्ट्रीय सट्टा गिरोह का भंडाफोड़ कर 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, गिरोह का सरगना सहित नौ आरोपी अब भी फरार हैं। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने दावा किया कि गिरोह ने गत दो महीने में करीब 400 करोड़ रुपये की लेनदेन की है और इनका संबंध माफिया गिरोह से भी होने की आशंका है। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) हरीश चंदर ने बताया कि नोएडा सेक्टर-39 की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नोएडा सेक्टर 108 में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सट्टा गिरोह का भंडाफोड़ कर 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरोह का सरगना सौरव मूल रूप से छत्तीसगढ़ का है और दुबई में रहकर गिरोह का संचालन कर रहा था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि गिरोह से जुड़े नौ आरोपी फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के पास से भारी मात्रा में विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन और सिम कार्ड,12 लैपटॉप, एटीएम कार्ड, पासपोर्ट, फर्जी दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि बरामद किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपियों के विभिन्न बैंक खातों में करीब डेढ़ करोड़ रुपये जमा हैं जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान खुलासा हुआ कि गिरोह ने दो महीने में करीब 400 करोड़ रुपयेका सट्टा लगवाया और राशि विभिन्न बैंक खातों, ई-वालेट तथा फर्जी तरीके से बनाई गई कंपनियों के खातों में डलवाए गए। उन्होंने बताया कि इन लोगों को दुबई से बैंक खाता आदि उपलब्ध कराए जाते थे। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को आशंका है कि गिरोह का संचालन डी- कंपनी (दाऊद इब्राहिम के गिरोह) के लोगों द्वारा किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि इस मामले में राष्ट्रीय अन्वेषण अधिकरण (एनआईए) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)को भी पत्र लिखा जाएगा ताकि वे इसकी अपने स्तर से जांच कर सके।

आज एलोरा की गुफा और घृश्मेश्वर मंदिर जाएंगी हिलेरी क्लिंटन

औरंगाबाद। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन मंगलवार को महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में पहुंचीं जहां वह बुधवार को विश्वप्रसिद्ध एलोरा की गुफाओं को देखने जाएंगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि क्लिंटन दो दिनों से गुजरात यात्रा पर थीं। वह मंगलवार दोपहर

महाराष्ट्र पहुंचीं और खुलताबाद शहर के लिए रवाना हो गईं जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। अधिकारी ने बताया कि बुधवार को वह घृष्णेश्वर मंदिर में दर्शन करेंगी जो देश में 12 वां ज्योतिर्लिंग है और एलोरा की गुफा जाएंगी। उन्होंने बताया कि उनकी औरंगाबाद यात्रा के दौरान सुरक्षा के लिए करीब 100 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। क्लिंटन ने सोमवार को दिवंगत कार्यकर्ता इला भट्ट द्वारा वित्त पोषित सेल्फ एम्प्लॉयड विमेंस एसोसिएशन (सेवा) के सहयोग से जलवायु परिवर्तन में लड़ाई के मकसद से महिलाओं के लिए पांच करोड़ डॉलर के ग्लोबल क्लाइमेट रेजिलिएन्स फंड की घोषणा की थी। उन्होंने कहा कि यह कोष जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए महिलाओं और समुदायों को सशक्त करेगा और नए आजीविका संसाधन और शिक्षा प्रदान करने में मदद करेगा। उन्होंने एक ट्रेड यूनियन के तौर पर सेवा के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में रविवार को अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया और जानी मानी सामाजिक कार्यकर्ता इला भट्ट को श्रद्धांजलि दी जिनका पिछले साल नवंबर में निधन हो गया था।

दलाई लामा ने तुर्की और सीरिया में भूकंप से जान-माल की क्षति पर जताया दुःख

धर्मशाला । तुर्की और सीरिया में आए विनाशकारी भूकंपों में बड़े पैमाने पर जनहानि हुई है। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक को पत्र लिखकर इस आपदा से प्रभावित होने वाले लोगों के प्रति दुख जताया है। उन्होंने लिखा कि मैं उन परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अपनों को खोया है। साथ ही, यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि संयुक्त राष्ट्र समन्वित स्वास्थ्य टीमों के अलावा, गैर सरकारी संगठन और दुनिया भर के कई देश भूकंप क्षेत्रों में बचाव और राहत प्रयासों के लिए सहायता भेज रहे हैं। आपदा से प्रभावित तुर्की और सीरिया के लोगों के साथ एकजुटता के प्रतीक के रूप में, मैंने गादेन फोडरंग फाउंडेशन से बचाव और राहत प्रयासों के लिए दान करने के लिए कहा है।

अडानी ग्रुप की धांधली सामने आने तक कांग्रेस विरोध प्रदर्शन करेगी

नई दिल्ली । भारतीय युवा कांग्रेस ने मंगलवार को अडानी ग्रुप की धांधली के खिलाफ एलआईसी बिल्डिंग, कनॉट प्लेस के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जी ने निरंतर पिछले कई सालों से इस विषय पर अपनी बात रखी है, पर केंद्र सरकार हर बार इस मुद्दे से भागती रही है, पर अब प्रधानमंत्री कितनी भी कोशिश कर लें अपने मित्र को बचाने की सच को सामने आने से रोक नही पाएंगे। दिल्ली युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रणविजय सिंह लोचव ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि अडानी समूह पर लगे धोखाधड़ी के आरोपों पर मोदी सरकार खामोश है, जो इस मामले में सरकार की मिलीभगत की ओर एक इशारा है। मोदी सरकार की अडानी पर मेहरबानी का नतीजा पूरी दुनिया देख रही है। आम जनता के करोड़ों रुपए दांव पर लगे हैं, उनकी मेहनत की कमाई डूब रही है। और जब तक इस पूरे मामले की जांच और संसद में इस विषय पर चर्चा नहीं होती तब तक हम इस प्रकार से लगातार विरोध करते रहने वाले है।

मिजोरम में 10 लाख रुपए की हेरोइन बरामद, 4 लोग गिरफ्तार

आइजोल । पुलिस ने आइजोल में दो अलग-अलग अभियानों में 10 लाख रुपए की हेरोइन बरामद करने के बाद इस सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर आबकारी विभाग के एक दल ने बावंगकान इलाके में तीन लोगों के पास से 503 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी कीमत 9.75 लाख से अधिक बताई जाती है। एक अन्य अभियान में विभाग के कर्मियों ने यंग मिजो एसोसिएशन के स्वयंसेवकों के साथ मिलकर आइजोल के फॉकलैंड इलाके में 11 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद कर, एक तस्कर को गिरफ्तार किया। नशीले पदार्थ की कीमत स्थानीय बाजार में 25,000 रुपए बताई जाती है। एक अधिकारी के मुताबिक, चारों आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधि और मन :प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि आबकारी विभाग ने पिछले महीने राज्य से 3.5 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी।

गुजरात के सुरेंद्रनगर में ट्रक से भिड़ी कार, एक ही परिवार के 4 सदस्यों की मौत

सुरेंद्रनगर । गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में मंगलवार को एक कार और एक ट्रक की टक्कर में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई है। स्थानीय लोगों और पुलिस को शवों को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है, इस वजह से कार के दरवाजों को काटना पड़ा तब कहीं शवों को बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने जरूरी लिखा-पढ़ी के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। सायला पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया, सुबह-सुबह एक ईको कार ट्रक से टकरा गई, जिसमें एक परिवार के चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। साबरकांठा जिले के मोडासा तालुका के वोल्वो गांव के रहने वाले सभी मृतक खांट परिवार के सदस्य थे। वे राजकोट की ओर जा रहे थे तभी सुरेंद्रनगर जिले के आया गांव के पास यह हादसा हो गया। एक चश्मदीद ने पुलिस को बताया कि दुर्घटना कोहरे और खराब विजिबिलिटी के कारण हुई होगी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रक खड़ा था या अचानक उसने ब्रेक लगा दिया। ईको कार चालक अपने वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका और ट्रक में जा घुसा। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हादसे में मारे गए लोगों की पहचान धीरूभाई खांट (55), वसंतभाई खांट (25), कालिदास खांट (40) और अजय (16) के रूप में हुई है।

संघ प्रमुख के बयान से ब्राह्मणों में गुस्सा, माफी मांगें वरना हिंसात्मक कार्रवाई

-कानपुर में मैं ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष की दो टूक

कानपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के ताजा बयान के बाद से कई जगह विवाद नजर आ रहा है। ब्राह्मणों पर दिए संघ प्रमुख के बयान को लेकर बेहद रोष देखने को मिला है। हालांकि, आरएसएस की ओर से इस पर सफाई भी आ गई है। भागवत ने अपने बयान में कहा था कि जाति व्यवस्था ईश्वर ने नहीं बनाई है, बल्कि ये 'पंडितों' के द्वारा बनाई गई है। इस बयान पर आरएसएस ने स्पष्टीकरण देकर कहा कि संघ प्रमुख ने जिस 'पंडित' शब्द का उपयोग किया था, उसका मतलब 'बुद्धिजीवियों' से है, न कि ब्राह्मणों से है। कानपुर महानगर में भी 'मैं ब्राह्मण महासभा द्वारा भागवत के खिलाफ धरना दिया गया। यहां हनुमान चालीसा पाठ कर उनकी सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की गई। इसके साथ ही संगठन के अध्यक्ष दुर्गेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि, संघ प्रमुख भागवत को अपना बयान वापस लेना चाहिए।

दरअसल भागवत ने मुंबई के कार्यक्रम में वर्ण व्यवस्था से जुड़ा एक बयान दिया था। जिसमें उन्होंने कहा था कि पंडितों ने जाति में लोगों को बांटा है जो गलत था। इस बयान के बाद से ब्राह्मण भागवत के खिलाफ मुखर नजर आ रहे हैं। 'मैं ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष त्रिपाठी ने कहा कि जो बयान आरक्षक प्रमुख मोहन भागवत ने दिया है, उस बयान से पूरे ब्राह्मण समाज में रोष व्याप्त है। अगर उन्होंने अपना बयान नहीं वापस लिया, तब हिंसात्मक कार्रवाई भी हो सकती है। लोग सड़कों पर उतरकर और उनके खिलाफ प्रदर्शन होगा। वहीं, जेएनयू में लिखा गया ब्राह्मण भारत छोड़ो पर भी महासभा ने कहा कि यह भी आरएसएस और बीजेपी की मानसिकता को दिखाता है।

ब्राह्मणों पर टिप्पणी को लेकर भागवत के खिलाफ परिवाद पत्र दायर

संघ प्रमुख मोहन भागवत के दिए गए बयान को लेकर बिहार के मुजफ्फरपुर की एक अदालत में उनके खिलाफ मंगलवार को एक परिवाद पत्र दायर किया गया है।

मुज्जफरपुर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में आरएसएस प्रमुख के रविदास जयंती के मौके पर पंडितों को लेकर दिए गए एक बयान को लेकर स्थानीय अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने परिवाद पत्र दायर किया गया है। परिवाद पत्र में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि जातियां भगवान ने नहीं बल्कि ब्राह्मणों (पंडितों) ने बनाया है। इस बयान के बाद ब्राह्मणों में आक्रोश है।

ओझा ने बताया है कि आरएसएस प्रमुख

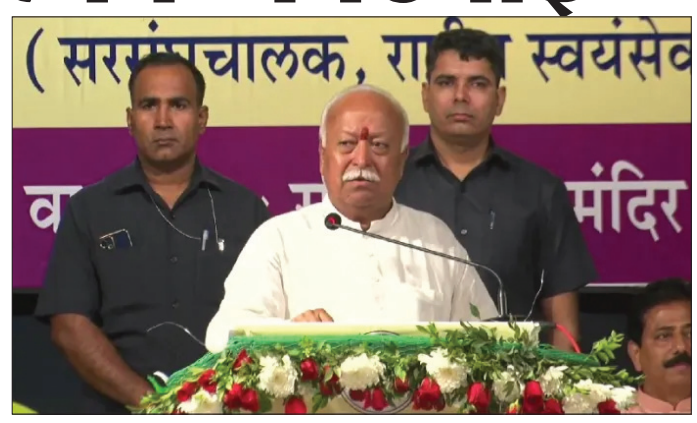

का यह बयान अखबार में पढ़ा। भागवत का यह बयान ब्राह्मणों को नीचा दिखाने वाला और उनके लिए अपमानजनक है। इस बयान से हमे ठेस पहुंची है। समुदाय विशेष में द्वेष भावना और तोड़ने की बात कही गई थी जो समाज में तोड़ने वाला है। ब्राह्मणों के प्रति ऐसा बयान देकर मोहन भागवत ने ब्राह्मणों को अपमानित करने का काम किया है।

'भारत जोड़ो यात्रा' की बात करने वाले पहले राजस्थान में दो लोगों को तो जोड़ लें: सी पी जोशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद चंद्रप्रकाश जोशी ने मंगलवार को कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'भारत जोड़ो' की बात करने वाले पहले ''राजस्थान में दो लोगों को तो जोड़ लें''। जोशी का इशारा राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच गतिरोध की ओर था। चित्तौड़गढ़ से लोकसभा सदस्य जोशी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सदन में धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जो कांग्रेस की सरकारें 60 वर्षों में नहीं कर सकी थीं वो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने करके दिखा दिया है जो तप और तपस्या के जरिये संभव हुआ है।

जोशी ने राहुल गांधी के नेतृत्व में पिछले दिनों संपन्न हुई कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' का हवाला देते हुए कटाक्ष किया, ''आप भारत जोड़ने के लिए निकले हैं। पहले राजस्थान में दो लोगों को तो जोड़कर दिखा दें।'' उन्होंने देश के विभाजन का जिक्र करते हुए कहा, ''आपने प्रधानमंत्री की कुर्सी के लिए भारत को बांट दिया, आप भारत जोड़ने की बात करते हैं।'' उन्होंने कहा कि जेएनयू में भारत को तोड़ने का नारा लगाने वालों के साथ खड़े होने वाले भारत जोड़ने की बात करते हैं। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित राजस्थान भ्रष्टाचार, व्यभिचार और प्रश्नपत्र लीक में नंबर एक है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पहले अभिभाषण का उल्लेख करते हुए कहा, ''2014 से हम मातृभूमि, मातृशक्ति और मातृभाव को देख रहे हैं।''

जोशी ने कहा, ''त्रेता युग में माता शबरी भगवान राम का स्वागत कर रही थीं। जब राष्ट्रपति महोदया संसद आईं तो ऐसा लगा कि प्रभु राम माता शबरी का स्वागत करने के लिए खड़े हैं।'' उन्होंने कहा, '' भारत को जी-20 की अध्यक्षता करने का गौरव मिला है। जी-20 का हमारा मंत्र 'वसुधैव कुटुम्बकम' का है।'' भाजपा सांसद ने कहा, ''2014 से पहले कभी 2जी होता था, 3जी होता था, कोई टेलीफोन के तार, तो कोई आदर्श सोसायटी के मकान तो कोई कोयला खा जाता था। लेकिन यह सरकार घोटाले की नहीं, बल्कि स्वाभिमान की सरकार है।''

जोशी ने दावा किया कि कांग्रेस ने सिर्फ गरीबी मिटाने का वादा किया, लेकिन गरीबी मिटाने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने मोबाइल के माध्यम से योजनाओं को जोड़ा। कई योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में आने लगा।'' भाजपा सांसद ने कहा कि इस सरकार ने ''गरीब को गणेश'' मानकर काम किया है तथा किसानों और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''इस सरकार के काम के कारण ही लोग कहते हैं कि मोदी है तो मुमकिन है।

महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले पर सवाल खड़े कर थोराट से छोड़ी कांग्रेस

-राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे को पत्र लिखकर दी जानकारी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र कांग्रेस में दरार बढ़ती दिख रही है। खबर है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोराट ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। एक दिन पहले ही थोराट ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले पर सवाल खड़े किए थे। कहा जा रहा है कि नासिक से सत्यजीत तांबे के निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पर्चा भरने और चुनाव जीतने के बाद प्रदेश कांग्रेस में तनातनी तेज हो गई है। हाल ही में पार्टी के वरिष्ठ नेता थोराट ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को पत्र लिखा था। उन्होंने पत्र में मौजूदा प्रदेश प्रमुख पटोले के साथ काम करने में असमर्थता जाहिर की थी। हालांकि, पटोले इसतरह के किसी पत्र से इनकार करते रहे। उन्होंने कहा कि इसबारे में जानकारी नहीं है।

खबर है कि थोराट ने पत्र में नजरअंदाज करने का भी जिक्र किया है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को उन्होंने जानकारी दी है कि राज्य में होने वाले फैसलों के बारे में उन्हें जानकारी नहीं दी जाती है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार थोराट के करीबी ने जानकारी दी, थोराट ने अपने पत्र में कांग्रेस नेतृत्व के सामने प्रदेश अध्यक्ष पटोले के साथ काम करने में असमर्थता जाहिर कर दी है। उन्होंने कहा कि वे (पटोले) उनके खिलाफ काफी नाराजगी रखते हैं और उनके साथ काम करना मुश्किल होगा। थोराट ने फैसलों पर चर्चा में शामिल नहीं करने की भी शिकायत की है।

तुर्की के अडाना एयरपोर्ट पहुंची राहत सामग्री की पहली भारतीय खेप

-भूकंप की भीषण त्रासदी झेल रहे तुर्की का भारत ने दिया साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। तुर्की और सीरिया में सोमवार को एक के बाद एक तीन भूकंप के झटकों से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अब तक इस भीषण हादसे के चलते 4 हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। तुर्की में 2921 और सीरिया में 1444 लोगों की जान गई है। हर तरफ लाशों का ढेर लगा हुआ है। वहीं भारत ने भूकंप से बुरी तरह प्रभावित तुर्की की तरफ मदद का हाथ आगे बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद हिंडन एयरबेस से राहत सामग्री की पहली खेप तुर्की के अडाना पहुंच गई है। अडाना पहुंची राहत सामग्री का पहला वीडियो भी सामने आया है। भारत की तरफ से राहत एवं बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की एक टीम को वहां भेजा गया है। दूसरी को भी जल्द रवाना किया जाएगा। तुर्की में राहत एवं बचाव कार्य के लिए भेजी गई एनडीआरफ की टीम के बारे में डीजी अतुल करवाल ने मीडिया को विस्तार से जानकारी दी। अतुल करवाल ने बताया कि 7 फरवरी की सुबह 3 बजे एनडीआरडीएफ की एक टीम को रवाना किया गया है। उस टीम में 51 रेस्क्यू स्टाफ, 5 महिला रेस्क्यू स्टाफ और तीन कारों को भेजा गया था, जो अब तुर्की के अडाना एयरपोर्ट पर पहुंच गए हैं। वहीं उन्होंने बताया कि दूसरी टीम को सुबह 11 बजे रवाना किया गया है। इसमें 50 रेस्क्यू करने वाले लोगों के साथ एक कमांडर भी शामिल है। हमने इसके साथ एक एनडीआरएफ डॉक्टर, पैरामेडिकल और अन्य साथियों को भी भेजा है।

एनडीआरएफ ऑपरेशन और प्रशिक्षण गाजियाबाद के डीजी मोहसेन शाहेदी ने इससे पहले बताया कि तुर्की और सीरिया में भयानक भूकंप आने से कई लोगों की मृत्यु हुई है। इसको देखते हुए भारत सरकार ने एनडीआरएफ की 2 टीमें वहां भेजने का निर्णय लिया है। इस बचाव अभियान में हमारी टीम में 47 लोग हैं, जिनके साथ 3 वरिष्ठ अधिकारी हैं। हमारे साथ पैरामेडिकल स्टाफ और मेडिकल उपकरण भी हैं। तुर्की और सीरिया में आए भयानक भूकंप ने चारों ओर सिर्फ लाशें ही लाशें छोड़ दी हैं।

महबूबा बोलीं अभियान में केवल गरीबों के गिराए जा रहे मकान, उमर ने कहा उनकी बात सुनी जानी चाहिए

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सरकारी भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के लिए प्रशासन द्वारा शुरू किए गए अभियान से उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को काफी तकलीफ पहुंची है। वर्षों तक सरकारी भूमि पर रसूखदार लोग कब्जा करते रहे और उन्हें अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवारों का संरक्षण प्राप्त रहा। अब जबकि उन लोगों से सरकारी जमीन छुड़ाई जा रही है, तो कई लोग विरोध कर रहे हैं।

प्रशासन की इस कार्रवाई से जम्मू-कश्मीर के आम लोग खुश हैं, लेकिन गुपकार गठबंधन आग बबूला हो गया है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि सरकार अफगानिस्तान की तरह कार्रवाई कर रही है, जबकि उमर अब्दुल्ला को भी यह गरीबों को सताने वाली कार्रवाई नजर आ रही है। सज्जाद लोन को भी लग रहा है कि प्रशासन की यह कार्रवाई गलत है। आम कश्मीरी इस समय घाटी में वह परिवर्तन देख रहे हैं जिसकी कभी वह कल्पना ही कर सकते थे।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश को अफगानिस्तान में बदल दिया है और वह अतिक्रमण रोधी अभियान के तहत गरीब तथा वंचितों के मकान ढहाने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल कर रही है।

महबूबा मुफ्ती ने देश में विपक्षी नेताओं से भाजपा द्वारा किए जा रहे कथित अत्याचारों के प्रति मूक दर्शक न बने रहने की अपील भी की है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने प्रचंड बहुमत का इस्तेमाल संविधान को ढहाने के लिए कर रही है। महबूबा ने कहा फलस्तीन फिर भी बेहतर है। जिस तरीके से लोगों के मकानों को ढहाने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया जा रहा है, उससे तो कश्मीर की स्थिति अफगानिस्तान से भी बदतर हो गई लगती है। लोगों के छोटे-छोटे मकानों को ढहाने का उद्देश्य क्या है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा, बुलडोजर सरकार का पहला विकल्प नहीं हो सकता। लोगों को परेशान करना सरकार का काम नहीं है। उसका काम लोगों के जख्मों पर मरहम लगाने का होता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी सरकारी जमीनों पर कब्जे के खिलाफ है, लेकिन प्रशासन को अतिक्रमण हटाने के दौरान तय कानूनी प्रक्रिया का पालन करना चाहिए। सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित अतिक्रमणकारियों की सूचियों पर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें गुपकर रोड पर स्थित अपना पैतृक मकान उस सूची में शामिल होने की आशा नहीं थी, क्योंकि उसका पट्टा अभी चल रहा है। उन्होंने सवाल किया मेरी बहन इस मामले में उच्च न्यायालय गयीं, जहां सरकार के वकीलों ने बताया कि सार्वजनिक मंचों पर उपलब्ध सूचियां फर्जी हैं। ऐसे में फिलहाल किस आधार पर बुलडोजर चल रहे हैं?

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी ध्वस्तीकरण हो रहा है, वहां के लिए कोई छानबीन नहीं हुई है और मीडिया को पहले ही सूचना दे दी गई, लेकिन वहां रहने वालों को सूचित नहीं किया गया। अब्दुल्ला ने कहा अधिकारी अवैध रूप से लाभ कमाने के लिए अतिक्रमण रोधी अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा हमारे पास सूचना है कि इन सूचियों में जिनके नाम हैं उनसे नाम हटवाने के एवज में 1.5 लाख रुपए मांगे जा रहे हैं।

एअरो इंडिया में रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन की मेजबानी करेंगे राजनाथ

बेंगलुरु (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बेंगलुरु में आगामी 14 फरवरी को एअरो इंडिया के 14वें संस्करण के इतर रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। हर दो साल पर होने वाला एअरो इंडिया इस वर्ष 13 से 17 फरवरी तक बेंगलुरु के येलहंका स्थित वायुसेना अड्डे पर आयोजित किया जाएगा। आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, सम्मेलन में मित्र देशों के रक्षा मंत्री हिस्सा लेंगे, जो एअरो इंडिया में शामिल होने के लिए भारत आने वाले हैं। इसमें कहा गया है कि सम्मेलन में (रक्षा उपकरणों के संबंध में निवेश, अनुसंधान एवं विकास, संयुक्त उद्यम, सह-विकास, सह-उत्पादन और खरीदारी के माध्यम से) क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, अंतरिक्ष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और समुद्री सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, ताकि 'शेयर्ड प्रॉस्पेरिटी थ्रू एन्हैंस्ड इंगेजमेंट्स इन डिफेंस' (स्पीड) की व्यापक अवधारणा के साथ मिलकर आगे बढ़ा जा सके।

विज्ञप्ति के अनुसार, यह सम्मेलन आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित एवं समृद्ध भविष्य देने की खातिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए भारत और उसके सभी मित्र देशों के विदेश मंत्रियों को एक-दूसरे के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करेगा। अधिकारियों के मुताबिक, एअरो इंडिया वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख हवाई प्रदर्शनी के रूप में पहचान बनाने में कामयाब रहा है। वर्ष 1996 से लेकर अब तक बेंगलुरु में इसके 13 संस्करणों का सफल आयोजन किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि इस बार एअरो इंडिया के लिए कुल 731 प्रदर्शकों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें 633 भारतीय और 98 विदेशी शामिल हैं। विज्ञप्ति में इस बात का जिक्र किया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण के लिए एक अभियान शुरू किया है। इसमें कहा गया है कि इस अभियान का उद्देश्य ऐसे आत्मनिर्भर रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए स्वदेशी रक्षा निर्माण एवं उत्पादन क्षमता को बढ़ावा देना है; जिसमें कुछ देशों के शोषण और व्यवधान से मुक्त विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला के निर्माण में समान विचारधारा वाले देश योगदान देंगे। विज्ञप्ति के मुताबिक, चूंकि स्वदेशी उद्योग के पोषण के लिए घरेलू स्तर पर पर्याप्त सामान उपलब्ध है, इसलिए भारत रक्षा उत्पादन को अगले स्तर तक ले जाने और साझा समृद्धि सुनिश्चित करने के वास्ते संसाधनों को बांटने के लिए मित्र देशों के साथ साझेदारी करना चाहेगा।

अधिकारियों के अनुसार, एअरोस्पेस उद्योग विमान (फिक्स्ड और रोटरी विंग्स), मानव रहित विमान (यूएवी) और संचार प्रणालियों की मांग को पूरा करने के लिए कमर कस रहा है। उन्होंने कहा

कि भारत में एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण कर अन्य देशों के साथ अनुकूल रक्षा नीतियां बनाने से एअरोस्पेस क्षेत्र में भारतीय उद्योगों के लिए अवसरों में वृद्धि होगी। अधिकारियों के मुताबिक, सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), चिप निर्माण और संचार प्रौद्योगिकी जैसी उपग्रह सक्षम प्रौद्योगिकियों में साझेदारी की व्यापक गुंजाइश मौजूद है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रेल परिसरों से बचाए गए बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने के लिए आरपीएफ की अनूठी पहल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

रेल सुरक्षा बल (RPF) द्वारा रेलवे संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है। रेल यात्रियों और उनके सामान के साथ-साथ यात्री क्षेत्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी आरपीएफ को सौंपी गई है। रेल सुरक्षा बल रेल यात्रियों की सुरक्षा में अपराधियों के खिलाफ लगातार प्रयासरत है, महिलाओं और बच्चों की तस्करी को रोकने के लिए सतर्क है और साथ ही रेलवे क्षेत्रों में पाए जाने वाले निराश्रित बच्चों के पुनर्वास के लिए उचित कार्रवाई भी कर रहा है। रेलवे परिसर से बचाए गए बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने के लिए आरपीएफ ने एक अनूठी पहल की शुरुआत की है। बचाए गए ऐसे बच्चों के परिवारों और रिश्तेदारों का पता लगाने और उन्हें ट्रैक करने के लिए भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट (https://indianrailways.gov.in) पर एक लिंक बनाया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रेल सुरक्षा बल द्वारा विभिन्न कारणों से अपने परिवार से बिछड़े/खोए हुए बच्चों की पहचान करने और उन्हें बचाने का नेक कार्य किया जा रहा है। इसी दिशा में एक गहन अभियान ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते ट्रेनों/रेलवे स्टेशनों पर पाए जाने वाले देखभाल और सुरक्षा के जरूरतमंद बच्चों को बचाने के लिए भारतीय रेल पर शुरू किया गया है और इसके उल्लेखनीय परिणाम भी सामने आ रहे हैं। वर्ष 2022 के दौरान ऐसे 17,750 से अधिक बच्चों को आरपीएफ जवानों द्वारा बचाया गया है। ठाकुर ने आगे बताया कि ऐसे बच्चों के हित और कल्याण के लिए बचाए गए इन बच्चों की जानकारी और विवरण ट्रैक चाइल्ड पोर्टल-3.0 में अपलोड किये जा रहे हैं और इसका लिंक भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है (https://indianrailways.gov.in) रेल सुरक्षा बल यात्रियों को एक सुखद, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे कार्यरत है।

शराब के नशे में धुत्त बीएमडब्ल्यू कार चालक ने बाइक सवार दंपत्ति को उड़ाया,पत्नी की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,शहर के मुजमहुडा-अकोटा रोड पर शराब के नशे में धुत्त बीएमडब्ल्यू कार चालक ने बाइक सवार एक दंपत्ति को उड़ा दिया। इस घटना में गंभीर रूप से घायल दंपत्ति को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने वडोदरा के मकरपुरा क्षेत्र में रहनेवाले बीएमडब्ल्यू कार के चालक स्नेहल पटेल और कार में सवार उसके दोस्तों को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू की है। वडोदरा के मकरपुरा क्षेत्र में रहनेवाला स्नेहल पटेल शहर के छाणी क्षेत्र स्थित एक कार के शो रूम में बतौर मैनेजर नौकरी करता है। स्नेहल पटेल और उसके दोस्त विशाल धोंडीराम मोरे, सद्दाम शेख और मकसूद सिंधा ने शराब पी रखी थी। शराब के नशे धुत्त स्नेहल पटेल ने मुजमहुडा-अकोटा रोड पर मोटर साइकिल सवार दंपत्ति को अपनी चपेट में ले लिया। जिसमें दंपत्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में उपचार के दौरान पत्नी की मौत हो गई, जबकि पति का इलाज चल रहा है। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि स्नेहल पटेल अन्य राज्यों की कार पासिंग का गोरखधंधा करता है। क्योंकि महाराष्ट्र के किसी व्यक्ति ने छत्तीसगढ़ के रायपुर से कार खरीदी और दमण का पासिंग कराने के लिए स्नेहल पटेल के पास भेजी थी। इस खुलासे के बाद पुलिस अब कार के मालिक जगदीश माली और दलाल राहुल शाह नामक शख्सों को बुलाकर उनसे पूछताछ करेगी।

छेड़छाड़ के मामले में हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी पर 17 फरवरी तक लगाई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ के मामले में राज्य के पूर्व मंत्री गजेन्द्रसिंह परमार को गुजरात हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने 17 फरवरी तक गजेन्द्रसिंह परमार की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। गजेन्द्रसिंह चौहाण ने अग्रीम जमानत के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। यह मामला अगस्त 2020 का है जब एक महिला अपनी नाबालिग बेटी को लेकर गजेन्द्रसिंह परमार के साथ जेसलमेर जा रही थी। रास्ते में आबू रोड के निकट गजेन्द्रसिंह परमार ने महिला की नाबालिग बेटी के साथ शारीरिक छेड़छाड़ की थी। जिसे लेकर महिला और गजेन्द्रसिंह के बीच झगड़ा भी हुआ था। साबरकांठा के प्रांतीज से विधायक और पूर्व मंत्री गजेन्द्रसिंह परमार के खिलाफ महिला ने सिरोही पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। गजेन्द्रसिंह के साथ ही साबरकांठा बैंक के चेयरमैन महेश अमिचंद पटेल के खिलाफ भी महिला ने शिकायत की थी। नाबालिग शारीरिक छेड़छाड़ करने पर गजेन्द्रसिंह और महेश पटेल के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया था। इस मामले में गजेन्द्रसिंह ने गुजरात हाईकोर्ट में अग्रीम जमानत की गुहार लगाई थी। हाईकोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए उन्हें 17 फरवरी तक राहत दी है। हाईकोर्ट ने सिरोही के पुलिस उपाधीक्षक को नोटिस जारी कर 17 फरवरी तक गजेन्द्रसिंह परमार को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है।

सरकारी अस्पताल में शराब के नशे में मरीजों का उपचार कर रहा डॉक्टर गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट,शहर के सिविल अस्पताल में शराब के नशे में मरीजों का उपचार करने वाले डॉ. साहिल खोखर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। डॉ. साहिल के कमरे में रखे टेबल से पुलिस को 150 एमएल की शराब की बोतल भी मिली है। क्राइम ब्रांच ने डॉ. साहिल को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू की है। राजकोट क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि शहर के सिविल अस्पताल में ड्यूटी के दौरान डॉ. साहिल खोखर शराब पीकर मरीजों का उपचार करता है। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने शराब के नशे में धुत्त डॉ. साहिल खोखर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में डॉ. साहिल ने कबूल किया है कि वह शराब का आदी था। डॉ. साहिल 11 महीने के करार के आधार पर सिविल अस्पताल में सेवारत है। राजकोट सिविल अस्पताल के अधीक्षक सुरेश राठौड़ ने इस मामले में कहा कि अगर डॉ. साहिल दोषी साबित होते हैं तो सरकार के नियमानुसार उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। नशे में धुत्त होकर ड्यूटी करना आपराधिक कृत्य है। मामले की जांच के लिए तीन सदस्यों की एक समिति का गठन किया गया है और यह समिति 24 घंटों में अपनी जांच पूरी करेगी।

काम के बदले साथ हमबिस्तर होने की मांग,

समाज के मशहूर चेहरे जो रखते हैं चेहरे पर चेहरा...

हम करेंगे ऐसे लोगों को

Helpline:-9879141480

"बेनकाब"

Problem
Information
& Help

प्रथम न्याय
सच सिर्फ सच... डंके की चोट पर

"बेनकाब"